RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:273 ता. 26 अप्रेल 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली में कोरोना के मामलों में बड़ी गिरावट, 689 नए केस लेकिन डरा रही संक्रमण दर

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना की आंख मिचौली जारी है। दिल्ली में सोमवार को कोरोना के 689 नए मामले सामने आये जबकि तीन लोगों की मौत हो गई। भले ही दिल्ली में कोरोना के मामलों में कमी आई है लेकिन संक्रमण दर उच्च स्तर पर बनी हुई है। मौजूदा वक्त में दिल्ली में संक्रमण दर 29.42 फीसद रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में महामारी के बाद से अब तक संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 20,34,061 हो गया है। वहीं तीन मरीजों की मौत के बाद महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या 26,600 हो गई है। दिल्ली में रविवार को कोरोना के 948 नए मामले सामने आये थे जबकि दो की मौत हुई थी।

नोएडा में 81 नए केस

नोएडा में कोरोना के 81 नए मामले सामने आए हैं। वहीं होम आइसोलेशन से 65 मरीज स्वस्थ हुए है। नोएडा में बीते चार दिनों से सक्रिय मरीजों की संख्या 700 के ऊपर बनी हुई है। 81 नए मरीजों में से चार को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। नोएडा में सक्रिय मरीजों की संख्या 737 है। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो बीते एक हफ्ते से बुखार, सर्दी-जुकाम के मरीजों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बच्चों में उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायतें देखी जा रही हैं।

गाजियाबाद जिले में बीते 24 घंटे में 66 नए मामले सामने आए हैं जबकि 48 मरीज अस्पताल और होम आइसोलेशन से डिस्चार्ज किए गए हैं। जिले में बीते 24 दिन में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 1200 के पार पहुंच गया है। मौजूदा वक्त में गाजियाबाद में सक्रिय मरीजों की संख्या 503 है। 467 का इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है। वहीं 36 मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में कोरोना से एक 73 वर्षीय महिला की मौत हो गई है। महिला उच्च रक्तचाप और रीढ़ की हड्डी का इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थी।

दुविधा में हैं या कोई संकेत दे रहे हैं शरद पवार, जेपीसी से 2024 चुनाव तक अलग है राय

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार का बयान ऐसे समय पर आया है, जब उनके भतीजे और एनसीपी में नंबर 2 कहे जाने वाले नेता अजित पवार और भाजपा के बीच नजदीकियां बढ़ने की अटकलें हैं।

मुंबई। विपक्षी एकता की चर्चाओं के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार सियासी दुविधा में नजर आ रहे हैं। रविवार को महाविकास अघाड़ी के साथ को लेकर दिए बयान के बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया था। अब खबर है कि एमवीए की रैलियों में भी उनके शामिल होने की संभावनाएं कम हैं। हालांकि, उन्होंने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। वहीं, एमवीए के साथ 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर भी वह सफाई जारी कर चुके हैं।

MVA के साथ लड़ेंगे या नहीं?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को सीनियर पवार ने कहा था, आज हम एक गठबंधन में साथ हैं और साथ में चुनाव लड़ना चाहते हैं। लेकिन साथ लड़ने की इच्छा ही काफी नहीं है। हमने अब तक सीट शेयरिंग को लेकर चर्चाएं नहीं की हैं, तो हम तत्काल कैसे कह दें कि हम साथ चुनाव लड़ेंगे या नहीं? वह यह भी कह चुके हैं कि एकता की केवल इच्छा रखने से कुछ नहीं होता। MVA में राकंपा के अलावा कांग्रेस, शिवसेना और समाजवादी पार्टी शामिल हैं।

टाइमिंग

सोमवार को पवार ने इसपर सफाई दी। उन्होंने कहा कि वह गैर भारतीय जनता पार्टी दलों को एकजुट करने के लिए पूरी कोशिशें करेंगे। खास बात है कि पवार का बयान ऐसे समय पर आया है, जब उनके भतीजे और एनसीपी में नंबर 2 कहे जाने वाले अजित पवार और भाजपा के बीच नजदीकियां बढ़ने की अटकलें हैं। हालांकि, अजित खुद एनसीपी में ही बने रहने का ऐलान कर चुके हैं। इससे पहले पवार चाचा-भतीजे

में खींचतान की खबरें आई थीं।

पवार की रैलियों से दूरी

कहा जा रहा है कि पवार एमवीए की जारी रैलियों से भी दूर रहेंगे। इधर, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता के लिए कोशिशें करते नजर आ रहे हैं।

संजय राउत दे रहे हैं सफाई

राज्यसभा सांसद संजय राउत आरोप लगा रहे हैं कि सीनियर पवार के बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस समय, एमवीए बेहद मजबूत है और संयुक्त रूप से रैलियां कर रहा है। रैलियां यह संदेश देने के लिए की जा रही हैं कि हम एक हैं। एक मई को मुंबई में एक विशाल रैली होगी जहां सभी दलों (एमवीए के) के सभी वरिष्ठ नेता एक साथ आएंगे।

उन्होंने कहा, पवार साहब का मानना है कि अगर हम साथ रहे तो हम 2024 में भाजपा को हरा सकते हैं और बड़ी संख्या में लोकसभा सीटें जीत सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि वह (पवार) एमवीए पर ऐसा कोई रुख ले रहे हैं (जैसा कि बताया गया है) क्योंकि हम लगातार चर्चा और विचार-विमर्श करते हैं। मेरे सामने कभी भी उनका ऐसा कोई बयान नहीं आया कि एमवीए नहीं होना चाहिए या इसे टूट जाना चाहिए।

JPC पर भी अलग थी राय

एक ओर जहां विपक्षी दल अडानी-हिंडनबर्ग रिपोर्ट मामले में जेपीसी जांच की मांग कर रहा है। वहीं, सीनियर पवार इसे गलत बता चुके हैं। उनका मानना है कि जेपीसी जांच में एनडीए के सदस्य बहुमत में होंगे इससे कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट गठित कमेटी की जांच को सही माना था। हालांकि, उन्होंने बाद में यह साफ किया कि अगर विपक्ष जेपीसी जांच की मांग करेगा, तो वह इसका समर्थन करेंगे।

लंबित मामलों पर इंटरव्यू नहीं दे सकते जज, सुप्रीम कोर्ट की कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कोई भी न्यायाधीश लंबित मामलों को लेकर साक्षात्कार नहीं दे सकते। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि 'क्या न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने पश्चिम बंगाल में स्कूल भर्ती घोटाले से संबंधित लंबित मामले में एक समाचार चैनल में इंटरव्यू दिया था?' शीर्ष कोर्ट ने इस संबंध में सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से चार दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा की पीठ ने इस मामले को लेकर एक समाचार चैनल को दिए गए न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय के कथित साक्षात्कार पर कड़ा संज्ञान लिया और कहा कि कोई न्यायाधीश लंबित मामलों के बारे में साक्षात्कार नहीं दे सकता। पीठ ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से न्यायाधीश से निर्देश लेने के बाद गुरुवार या उससे पहले एक रिपोर्ट दाखिल करने को कहा और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के लिए इसके एक दिन बाद की तारीख तय की। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसका आदेश कथित घोटाले में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा चल रही जांच के आड़े नहीं आएगा। केंद्रीय जांच

एजेंसियों की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू द्वारा यह कहे जाने पर कि इससे चल रही जांच में रुकावट आ सकती है, पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति को उस लंबित मामले के बारे में साक्षात्कार नहीं देना चाहिए जो एकल न्यायाधीश की पीठ के समक्ष है।

दिल्ली-एनसीआर में दो दिन बाद फिर बिगड़ेगा मौसम, तेज आंधी पानी का अलर्ट

नई दिल्ली। इन दिनों राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली मौसम की आंख मिचौली का सामना कर रही है। राजधानी में इस बार मौसम अप्रैल में खासी नरमी बरत रहा है। सामान्य से 45 फीसदी ज्यादा बारिश के चलते तापमान लगातार सामान्य से नीचे चल रहा है। मौसम विभाग की मानें तो दो दिन बाद दिल्ली एनसीआर के इलाकों में एकबार फिर बूंदाबांदी के आसार बन रहे हैं। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि 26 अप्रैल से एक ताजा पश्चिमी विक्षोभी पश्चिमी हिमालय पर दस्तक देने वाला है। इसका असर मैदानी इलाकों में भी नजर आएगा। अगले सात दिनों तक देश के किसी भी हिस्से में लू चलने की संभावना नहीं है।

अप्रैल में सामान्य से 45 फीसदी ज्यादा बारिश

वैसे दिल्ली एनसीआर के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि अप्रैल में अभी तक सामान्य से 45 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। दिल्ली के सफदरजंग मौसम केंद्र में अप्रैल में अब तक सामान्य तौर पर 13.9 मिलीमीटर बारिश होती है, लेकिन इस बार अभी तक 20.1 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 45 फीसदी ज्यादा है। इससे पहले मार्च में भी सामान्य से ज्यादा बारिश हुई थी।

सुहावना हुआ मौसम

वहीं बूंदाबांदी के चलते दिल्ली का अधिकतम और न्यूनतम दोनों ही तापमान सामान्य से कम बना हुआ है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में सोमवार दिन का अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो कि सामान्य से तीन डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से चार डिग्री कम है। अप्रैल में आगे भी अब तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहने के आसार हैं।

पीएफआई के खिलाफ एनआईए का फिर एक्शन

यूपी-बिहार और एमपी में 17 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कार्रवाई जारी है। एनआईए ने देशभर में पीएफआई के ठिकानों पर छापा मारा है। बताया जा रहा है कि देशभर में कुल 17 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, एनआईए के अधिकारी उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में तलाशी ले रहे हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने बीते साल सितंबर में अधिसूचना जारी पीएफआई पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। पीएफआई पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठन से संबंध रखने, आतंकी फंडिंग व हिंसक गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप हैं।

प्रतिबंध पर UAPA ट्रिब्यूनल की मुहर

पीएफआई पर प्रतिबंध के फैसले पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) से संबंधित ट्रिब्यूनल अपनी मुहर लगा चुका है। संगठन पर यूएपीए एक्त के तहत प्रतिबंध लगाया गया है। ट्रिब्यूनल का नेतृत्व कर रहे दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा ने पीएफआई पर केंद्र के प्रतिबंध को सही ठहराया है।

तेलंगाना की राज्यपाल का केसीआर सरकार पर तीखा हमला, कहा- मुख्यमंत्री से 2 साल से नहीं हुई मुलाकात

मदुरै (तमिलनाडु)। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने 24 अप्रैल को एक बार फिर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि राज्य में किसी भी प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा है और मुख्यमंत्री ने दो साल में एक बार भी उनसे मुलाकात नहीं की।

तेलंगाना के राज्यपाल का आरोप

मदुरै हवाई अड्डे पर समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए तेलंगाना के राज्यपाल ने कहा, तेलंगाना में,किसी भी प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जाता है। मुख्यमंत्री काफी लंबे समय से मुझसे नहीं मिले हैं। संविधान कहता है कि प्रशासकों के साथ समय-समय पर चर्चा, मुख्यमंत्री के साथ राज्यपाल की चर्चा आवश्यक हैं, लेकिन तेलंगाना में ऐसा बिल्कुल नहीं होता है। दो साल से मैं मुख्यमंत्री से नहीं मिली हूं। हर कोई राज्यपालों पर सवाल उठा रहा है लेकिन कोई भी मुख्यमंत्रियों से सवाल

नहीं कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच अच्छे संबंध होने चाहिए लेकिन तेलंगाना में इसकी पूरी तरह से कमी है।

आधिकारिक दौरे से दूर रहते हैं मुख्यमंत्री

सुंदरराजन ने आरोप लगाया कि राज्य के मंत्री उनकी आधिकारिक यात्राओं से दूर रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैंने सभी विधेयकों पर काम किया। मैंने कई मौकों पर मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया, लेकिन वह नहीं आए। चाहे त्योहार हों या गणतंत्र दिवस समारोह, आधिकारिक दौरे भी, कोई स्थानीय नेता नहीं आता, कोई विधायक या सांसद नहीं आता, और मुख्यमंत्री तक नहीं आते। एक राज्यपाल को एक राज्यपाल की तरह माना जाना चाहिए, यह एक मानक संचालन प्रक्रिया है।

कारखाने में 12 घंटे काम करने पर क्या बोलीं राज्यपाल

कारखानों में 12 घंटे के काम की अनुमति देने वाले विधेयक को पारित करने के तमिलनाडु विधानसभा के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए तेलंगाना के राज्यपाल ने कहा, मेरी राय राजनीतिक नहीं है, लेकिन रिसर्च में पाया गया है कि अगर हम वर्किंग का समय बढ़ाते है तो आराम करने का समय भी अपने आप बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं दूसरे राज्य द्वारा पारित प्रस्ताव पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती।

पिछले हफ्ते, तमिलनाडु विधानसभा ने कारखाना (संशोधन) अधिनियम 2023 पारित किया था, जिसमें कारखाने के श्रमिकों के लिए काम के घंटे को आठ से बढ़ाकर 12 घंटे कर दिया गया है। हालांकि, विपक्षी दलों ने इस विधेयक का काफी विरोध किया है।

नोएडा की ये नगर पंचायत बनाएगी रिकॉर्ड, किसी भी पद पर नहीं होगा चुनाव

नोएडा। नोएडा की रबूपुरा नगर पंचायत ने प्रदेश के इतिहास की नई इबारत लिखी है। नगर पंचायत अध्यक्ष और सभासद के सभी 12 वार्ड में एक-एक प्रत्याशी ने ही पर्चा भरा है। आपसी सहमति से जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के भतीजे और भाजपा प्रत्याशी शशांक सिंह का अध्यक्ष और सभी 12 सभासदों का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है। जनपद में सभी छह नगर निकायों के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही थी। सोमवार को नामांकन का अंतिम दिन था। रविवार तक किसी ने पर्चा नहीं दाखिल किया था। बताते हैं कि अध्यक्ष समेत सभी वार्डों के लिए आपसी सहमति से चुनाव की कवायद चली थी। यही कारण रहा कि अध्यक्ष और सभी 12 वार्डों के लिए सिर्फ एक-एक उम्मीदवारों ने पर्चा भरा। नगर पंचायत अध्यक्ष पद के प्रत्याशी शशांक सिंह ने नामांकन किया। शाम को तीनबजे तक कोई नामांकन न आने के कारण सभी 12 सभासद और अध्यक्ष पद पर शशांक सिंह का निर्विरोध चुना जाना तय है। शशांक सिंह जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के भतीजे हैं और उनके बड़े भाई निवर्तमान चेयरमैन वीरेंद्र प्रताप सिंह के बेटे हैं। 2017 में ठाकुर वीरेंद्र प्रताप सिंह ने भारी

मतों से नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी।

भाजपा के दो नामों पर नहीं बनी सहमति-भाजपा ने रबूपुरा नगर पंचायत के 12 वार्ड के लिए अपने प्रत्याशी घोषित किए थे। पार्टी की सूची के 10 सभासद निर्विरोध चुना जाना तय हो गया, जबकि दो वार्ड में दूसरे प्रत्याशी निर्विरोध चुने जाएंगे। सभासद के लिए वार्ड नंबर एक से संजू, वार्ड नंबर दो से पूजा, तीन से शारदा, चार से रोहित सिंघल, पांच से धीरज, छह से शहनाज, सात से प्रेम कुमार, आठ से पूनम, नौ से अनु, 10 से कुलदीप, 11 से साबिया और वार्ड नंबर 12 से राकेश ने नामांकन पत्र जमा किया है। भाजपा ने वार्ड नौ से शाहिद अब्दुल सलाम दिलशाद और 10 से गिरिराज शर्मा को टिकट दिया था। लेकिन इन पर सहमति नहीं बन पाई।

मजहर अली थे पहले चेयरमैन

रबूपुरा नगर पंचायत में विधायक धीरेंद्र सिंह के परिवार से ही चेयरमैन बनते रहे हैं। हालांकि नगर पंचायत के पहले चेयरमैन मजहर अली थे। ठाकुर गजराज सिंह तीन बार चेयरमैन चुने गए। फिर ठाकुर नवल सिंह, ठाकुर नेत्रपाल सिंह, ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह, राजकुमारी सिंह, धीरेंद्र सिंह, उषा सिंह व वीरेंद्र सिंह चेयरमैन बने।

पुलिस जांच में बड़ा खुलासा, अतीक और अशरफ के आईएसआई के साथ कनेक्शन

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश में माफिया अतीक अहमद और भाई अशरफ की हत्या के बाद एक खुलासा हुआ है। अतीक और अशरफ के आईएसआई के साथ कनेक्शन को लेकर सबसे बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि अतीक और अशरफ आईएसआई के मददगार थे पुलिस के पास वहां सूबत हैं, जो कि साबित करता हैं, कि अतीक और अशरफ का आतंकी कनेक्शन भी था। दरअसल, साल 2021 में गिरफ्तार आतंकी जिशान का पासपोर्ट बनवाने में अतीक के भाई अशरफ ने मदद की थी। यहां तक कि अशरफ ने जिला पासपोर्ट अधिकारी को पत्र भी लिखा था और कहा था कि वह उसका जानकारी है और उसी के यहां नौकरी भी करता है। बता दें कि करेली से आतंकी जीशान कमर को गिरफ्तार किया गया था। जीशान को पाकिस्तान में हथियार चलाने और प्रयागराज में रहकर आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग दी गई थी। जीशान को पाकिस्तान में हथियार चलाने और प्रयागराज में रहकर आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग दी गई थी। ट्रेनिंग के बाद वह कुछ साथियों के साथ लखनऊ के रास्ते हथियारों को प्रयागराज ले आया और नैनी स्थित पोल्ट्री फार्म में छिपा दिया था। वह आनलाइन खजूर बेचने के बहाने आतंकी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। पुलिस पूछताछ में अतीक और अशरफ ने कबूला था कि उनके आईएसआई से कनेक्शन हैं। साथ ही माना था कि उन्होंने पाकिस्तान से हथियार खरीदे हैं। अहम बाद यह है कि अशरफ ने पासपोर्ट अधिकारी को पत्र लिखकर जीशान कमर से जान पहचान और पासपोर्ट बनाने की बात लिखी थी।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच में तनातनी

नई दिल्ली । भारत सरकार ने मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाया गया है। यूरोपीय संघ इसका विरोध कर रहा है। यूरोपीय संघ का आरोप है,कि भारत इलेक्ट्रॉनिक सामान पर सीमा शुल्क के मामले में विश्व व्यापार संगठन से किए गए समझौते का पालन नहीं कर रहा है। ऐसी स्थिति में यूरोपीय संघ भारत से आयात होने वाली वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा सकता है। विश्व व्यापार संगठन की दूसरी शीर्ष निर्णयाक संस्था विवाद समाधान निकाय ने 17 अप्रैल को अपने फैसले में कहा है,सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उत्पादों पर भारत द्वारा शुल्क लगाए जाने से, सूचना प्रौद्योगिकी समझौते का उल्लंघन हुआ है। सूचना प्रौद्योगिकी समझौते पर भारत ने हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन अब भारत समझौते को नहीं मान रहा है। भारत सरकार,17 अप्रैल को दिए गए फैसले के खिलाफ, अपील सर्वोच्च निर्णायक संस्था में करने जा रहा है। अभी यह संस्था कार्यरत नहीं है। अमेरिका ने न्यायाधीशों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है। जिसके कारण यूरोपीय संघ और भारत के बीच में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका असर आयात और निर्यात व्यापार में पड़ सकता है।

मायावती पर सीबीआई का शिकंजा, ताज कॉरिडोर घोटाले में होगी जांच

लखनऊ। ताज कॉरिडोर घोटाले को लेकर सीबीआई मायावती पर शिकंजा करने जा रही है। इससे उत्तर प्रदेश में बसपा सुप्रीमो मायावती की मुश्किलें बढ़ सकती है। गौरतलब है कि सीबीआई ने 20 साल पुराने ताज कॉरिडोर घोटाला मामले में एक्शन लेना शुरु कर दिया है। इस घोटाले में सीबीआई को पहली अभियोजन स्वीकृति मिली है। इसको लेकर अब एनपीसीसी के तत्कालीन एजीएम पर केस चलेगा और 22 मई को मामले में सुनवाई होगी। इस मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती और मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी फंस गए है। अब सीबीआई एक्शन ले रही है। जानकारी के अनुसार सीबीआई को महेंद्र शर्मा के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मिली है। महेंद्र शर्मा नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड के तत्कालीन एजीएम थे। वर्ष 2002 में मायावती ने ताजमहल और उसके आसपास के इलाके को कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के लिए इस परियोजना की शुरुआत की थी। तब 175 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट के लिए 17 करोड़ रुपए जारी किए गए थे।परियोजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई थी, जिसके बाद जांच हुई थी। सीबीआई ने धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, साजिश समेत तमाम धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जानकारी के अनुसार नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड को इस कॉरिडोर करने का ठेका दिया गया था। तब आरोप लगा था कि पर्यावरण मंत्रालय की हरी झंडी मिलने से पहले ही इस कॉरिडोर के लिए 17 करोड़ रुपए जारी कर दिया गया था। तब सुप्रीम कोर्ट ने 2003 में इस कॉरिडोर की पड़ताल करने के लिए आदेश दिया था। जिसके बाद सीबीआई ने इस मामले में 2007 में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। तब मायावती के साथ नसीमुद्दीन सिद्दीकी पर गंभीर आरोप लगे थे। लेकिन मायावती के मुख्यमंत्री बनते ही इस केस को चलाने की इजाजत देने से मना कर दिया गया था। इसके बाद सीबीआई कोर्ट में चल रही जांच रुक गई थी।

न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही फ्लाइट में सहयात्री पर किया पेशाब, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान में न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रहे एक भारतीय व्यक्ति को अपने सहयात्री पर पेशाब करने के आरोप में यहां हवाई अड्डे पर पकड़ा गया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि एयरलाइन के कर्मचारियों के अनुसार आरोपी भारतीय यात्री शराब के नशे में था और उसने एक बहस के दौरान अपने सहयात्री पर पेशाब कर दिया। यह घटना अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान संख्या एए 292 में हुई और आरोपी यात्री को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने रविवार को रात करीब 9 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर विमान के उतरने के बाद पकड़ लिया। सूत्रों ने बताया ?कि एयरलाइन ने विमान के हवाई अड्डे पर उतरने से पहले ही मामले की सूचना दिल्ली हवाई अड्डे को दी और घटना में शामिल दोनों यात्रियों को बाद में दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया। सूत्रों ने बताया कि पीड़ित यात्री ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। हाल के दिनों में यात्रियों द्वारा कथित तौर पर शराब पीने के बाद सह-यात्रियों पर पेशाब करने की घटनाएं सामने आई हैं। फ्लाइट में इस तरह के मामले पहले भी हुए हैं। पिछले साल 26 नवंबर को नशे में धुत एक व्यक्ति ने एयर इंडिया की न्यूयॉर्क-दिल्ली उड़ान के बिजनेस क्लास में अपनी महिला सह-यात्री पर कथित तौर पर पेशाब कर दिया था। उक्त मामला जनवरी में सामने आया और दिल्ली पुलिस ने कुछ दिनों बाद उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। एयर इंडिया ने उस पर 30 दिन का यात्रा प्रतिबंध लगा दिया था। इस तरह की दूसरी घटना 6 दिसंबर, 2022 को एयर इंडिया पेरिस-नयी दिल्ली की उड़ान में दर्ज की गई थी, जब एक यात्री ने खाली सीट पर और एक साथी महिला सहयात्री के कंबल पर कथित तौर पर तब पेशाब कर दिया था जब वह शौचालय गई थी।

अतीक के कालेधन और काले साम्राज्य को अपने हाथों में ले रही हैं शाइस्ता परवीन

-सीएम की मदद से कंपनियां अपने नाम कर रही

प्रयागराज। माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन की तलाश जारी है। पुलिस को अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। इस बीच खबर है कि शाइस्ता लगातार पति की संपत्तियों और कालेधन को लेकर सक्रिय रहकर

हिसाब कर रही है। खास बात है कि शाइस्ता को ही अतीक के अपराध जगत का सबसे बड़ा राजदार माना जा रहा है। इधर, पुलिस को अतीक के सहयोगी गुड्डू मुस्लिम की भी तलाश है। यूपी एसटीएफ के हवाले से बताया गया कि शाइस्ता अब अतीक की संपत्तियां अपने नियंत्रण में ले रही है। इसके अलावा वह अतीक की कंपनियों को लेकर भी गतिविधियां तेज कर रही है और लगातार अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट के संपर्क में बनी हुई है। कहा जा रहा था कि शाइस्ता पति के इंतकाल के बाद इद्दत में है और इस दौरान किसी से मुलाकात नहीं कर रही है। कहा जा रहा है कि शाइस्ता सीए की मदद से संपत्तियां अपने नाम करा रही है। इधर, पुलिस भी अतीक और खालिद अजीम उर्फ अशरफ से जुड़े सीए की तलाश में लग गई है। खबरें हैं कि पुलिस को पता चला है कि शाइस्ता, अशरफ की पत्नी जैनब व आयशा नूरी प्रयागराज में ही छिपी हुई हैं। पुलिस लगातार असद, अतीक और अशरफ के मददगारों से पूछताछ कर रही है। शाइस्ता पर पहले ही 50 हजार रुपये के इनाम का ऐलान हो चुका है। जानकारी मिलते ही एसटीएफ की टीमें मेरठ और प्रयागराज में छापे मार चुकी हैं। एसटीएफ एडीजी अमिताभ यश भी कुछ जानकारियां सामने आने की बात कह रहे हैं।

कर्नाटक चुनाव मोदी जी के हाथों में राज्य को देने का चुनाव : शाह

-कांग्रेस सत्ता में आई तब फिर दंगों का दौर होगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार का दौर जारी है। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह लगातार कर्नाटक में जमे हुए है। शाह लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे है। इस बीच बागलकोट में शाह ने कांग्रेस पर बड़ा निशाना साधकर कहा कि अगर कांग्रेस कर्नाटक में सत्ता में आती है, तब राज्य में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण की राजनीति, पारिवारिक राजनीति और दंगे हमेशा चरम पर होंगे। शाह ने कहा कि यह विधानसभा चुनाव सिर्फ एक विधायक चुनने के लिए नहीं बल्कि राज्य के भविष्य को पीएम मोदी के हाथों में सौंपने के लिए है।

शाह ने कहा कि यह कर्नाटक को एक विकसित राज्य बनाने और यहां राजनीतिक स्थिरता लाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आपकी पार्टी (कांग्रेस) में दिवालियापन है, जब आप उन नेताओं के भरोसे चुनाव लड़ते हैं, जो भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने बार-बार कहा कि ये चुनाव कर्नाटक को मोदी जी के हाथ में देने का चुनाव है। कर्नाटक को एक संपूर्ण विकसित राज्य बनाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव राजनीतिक स्थिरता और नए कर्नाटक का चुनाव है, जो भाजपा लेकर आ सकती है। शाह ने कहा कि एक तरफ डबल इंजन की सरकार भाजपा की है, तब दूसरी तरफ रिवर्स गियर सरकार है।

शाह ने कहा कि ये पीढ़ी परिवर्तन का चुनाव है और हम मोदी जी के नेतृत्व में फिर से सरकार बनाएंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने लिंगायत को लेकर क्या किया है? इन्होंने इतिहास में सिर्फ 2 लिंगायत मुख्यमंत्री बनाए जिन्हें अपमानित कर निकाल दिया। कांग्रेस को यह बोलने का अधिकार नहीं है। भाजपा ने सभी जाति को एक साथ लेकर चलने का काम किया है।

जेडीएस को वोट मतलब कांग्रेस का समर्थन

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने हासन जिले में जनता दल (सेक्यूलर) के प्रभाव वाले क्षेत्र में रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दल को वोट करने का मतलब कांग्रेस का समर्थन करना है। शाह ने वोटरों से कहा कि बीजेपी उम्मीदवार को जिताएं, ताकि पीएम मोदी के हाथ और अधिक मजबूत हो सके।

शाह ने कहा कि पिछले चुनाव में आप ने जेडीएस के उम्मीदवार को जिताया। लेकिन अंत में क्या हुआ, वह कांग्रेस से मिल गए। इसकारण जेडीएस के पक्ष में वोट करना का मतलब कांग्रेस को सपोर्ट करना है। शाह ने कहा कि यदि आप चाहते हैं कि आपको वोट बेकार न जाए, तब आप सभी बीजेपी के उम्मीदवार को वोट करें। बता दें कि हासन जिला जद (से) के नेता और पूर्व पीएम एच डी देवगौड़ा का गृह क्षेत्र है।

साल 2018 में पार्टी ने विधानसभा चुनाव क्षेत्र में सात में से छह सीट पर जीत हासिल की थी। हासन सीट पर बीजेपी प्रत्याशी प्रीतम गौड़ा को हार का सामना करना पड़ा था। इस विधानसभा क्षेत्र में वोक्कालिगा समुदाय की बहुलता है। पिछले कुछ सालों पहली बार भाजपा को यहां से जीत मिली थी। वरिष्ठ जेडीएस नेता और कुमारस्वामी सकलेशपुर विधानसभा से पार्टी के उम्मीदवार हैं। शाह ने कहा कि हासन जिले में बीजेपी के पास सिर्फ 1 सीट है। शाह ने कहा कि वंशवादी लोगों के खिलाफ बीजेपी उम्मीदवार गौड़ा ने अच्छा काम किया है। इसी काम के आधार पर पार्टी को यहां से बहुमत मिलेगी।

इसके अलावा शाह ने कहा कि जेडीएस और कांग्रेस ने राज्य के मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इस बीजेपी ने हटा दिया। अब बीजेपी ने लिंगायत, वोक्कालिगा और अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए भी आरक्षण बढ़ा दिया है।

मन की बात के 100वें एपिसोड के लिए पीएम की जनसंपर्क मशीनरी दिन-रात काम कर रही : कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने फिर से अडानी और चीन मुद्दे को लेकर मोदी सरकार की घेराबंदी की है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा पीएम मोदी की जनसंपर्क मशीनरी उनके मन की बात कार्यक्रम के 100 वें एपिसोड के लिए ओवरटाइम काम कर रही है, जबकि प्रधानमंत्री अदाणी और चीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुप है। रमेश ने ट्वीट कर कहा कि, 30 अप्रैल को होने जा रहे मन की बात के 100वें एपिसोड की सूचना को फैलाने के लिए पीएम की शक्तिशाली पीआर मशीन ओवरटाइम कर रही है। इस बीच मौन की बात है, अडानी, चीन, सत्यपाल मलिक के खुलासों, एमएसएमई की बर्बादी और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुप्पी। बता दें कि, 30 अप्रैल को पीएम मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 100वीं कड़ी प्रसारित की जाएगी, जिस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस खास बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने एक प्लान तैयार किया है। पार्टी ने केंद्रीय मंत्रियों, लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को निर्वाचन क्षेत्र सौंपे। सांसदों को अपने संसदीय क्षेत्रों में रहने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं में शामिल होकर दिन में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। केंद्र सरकार विशेष अवसर को चिह्नित करने के लिए 100 रुपये के सिक्के जारी करेगी। रेडियो के माध्यम से नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री का अनूठा और सीधा संवाद, मन की बात अब तक 99 एपिसोड पूरे कर चुका है। यह स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, जल संरक्षण, वोकल फॉर लोकल आदि जैसे सामाजिक परिवर्तनों की उत्पत्ति, माध्यम और प्रवर्तक रहा है। कार्यक्रम ने खादी, भारतीय खिलौना उद्योग, स्वास्थ्य में स्टार्टअप, आयुष, अंतरिक्ष आदि जैसे उद्योगों पर जबरदस्त प्रभाव दिखाया है।

गैर भाजपाई दलों को एकजुट करने में जुटेंगे शरद पवार, अकलों का दौर शुरु

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गैर भाजपा दलों को एकजुट करने में जुटेंगे। हालांकि विपक्षी एकता की चर्चाओं के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार सियासी दुविधा में नजर आ रहे हैं। रविवार को महाविकास अघाड़ी के साथ को लेकर दिए बयान के बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया था। अब खबर है कि एमवीए की रैलियों में भी उनके शामिल होने की संभावनाएं कम हैं। हालांकि, उन्होंने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। वहीं, एमवीए के साथ 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर भी वह सफाई जारी कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को शरद पवार ने कहा था कि आज हम एक गठबंधन में साथ हैं और साथ में चुनाव लड़ना चाहते हैं। लेकिन साथ लड़ने की इच्छा ही काफी नहीं है। हमने अब तक सीट शेयरिंग को लेकर चर्चाएं नहीं की हैं, तो हम तत्काल कैसे कह दें कि हम साथ चुनाव लड़ेंगे या नहीं? वह यह भी कह चुके हैं कि एकता की केवल इच्छा रखने से कुछ नहीं होता। एमवीए में राकंपा के अलावा कांग्रेस, शिवसेना और समाजवादी पार्टी शामिल हैं।

हालांकि शरद पवार ने इसपर सफाई दी। उन्होंने कहा कि वह गैर भारतीय जनता पार्टी दलों को एकजुट करने के लिए पूरी कोशिशें करेंगे। खास बात है कि पवार का बयान ऐसे समय पर आया है, जब उनके भतीजे और एनसीपी में नंबर 2 कहे जाने वाले अजित पवार और भाजपा के बीच नजदीकियां बढ़ने की अटकलें हैं। जबकि अजित खुद एनसीपी में ही बने रहने का ऐलान कर चुके हैं। इससे पहले पवार चाचा-भतीजे में खींचतान की खबरें आई थीं। कहा जा रहा है कि पवार एमवीए की जारी रैलियों से भी दूर रहेंगे। इधर, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता के लिए कोशिशें करते नजर आ रहे हैं।

राज्यसभा सांसद संजय राउत आरोप लगा रहे हैं कि शरद पवार के बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस समय, एमवीए बेहद मजबूत है और संयुक्त रूप से रैलियां कर रहा है। रैलियां यह संदेश देने के लिए की जा रही हैं कि हम एक हैं। एक मई को मुंबई में एक विशाल रैली होगी जहां सभी दलों (एमवीए के) के सभी वरिष्ठ नेता एक साथ आएंगे। उन्होंने कहा, पवार साहब का मानना है कि अगर हम साथ रहे तो हम 2024 में भाजपा को हरा सकते हैं और बड़ी संख्या में लोकसभा सीटें जीत सकते हैं।

मुस्लिमों के लिए आरक्षण खत्म करने का फैसला 9 मई तक लागू नहीं होगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को निर्देश दिया कि कर्नाटक सरकार का मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगा, क्योंकि राज्य ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का पिछली सरकार का फैसला नौ मई तक जारी रहेगा। नौ मई को राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली दलीलों पर बिना किसी पूर्वाग्रह के, इस मामले की आगे की सुनवाई की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई शुरू होने पर कहा कि वह दिन में जवाब दाखिल करुंगा। उन्होंने पीठ से कहा, मैं इस आज दाखिल करूंगा लेकिन समस्या यह है कि मैं (सॉलिसिटर जनरल) व्यक्तिगत समस्या का सामना कर रहा हूं।

मुझे समलैंगिक विवाह से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही संविधान पीठ के सामने भी दलील रखनी है। कृपया इस मामले को किसी और दिन के लिए सूचीबद्ध करें।'' याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने मेहता द्वारा स्थगन के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि सुनवाई पहले ही चार बार टाली जा चुकी है। मेहता ने कहा कि अदालत द्वारा पारित अंतरिम आदेश पहले से ही याचिकाकर्ताओं के पक्ष में है। दवे ने अदालत से अनुरोध किया कि वह मेहता की दलीलों को दर्ज करें कि मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म करने के आदेश को लागू नहीं किया जाएगा और 30 मार्च 2002 को जारी आरक्षण देने का आदेश सुनवाई की अगली तारीख तक लागू रहेगा।

समलैंगिक विवाह : सुप्रीम कोर्ट में चौथे दिन हाइब्रिड तरीके से सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के चौथे दिन सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ के दो सदस्यों ने सुनवाई में ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा अदालत कक्ष में उपस्थित रहे, जबकि न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एस आर भट ने ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई में भाग लिया। सीजेआई ने कहा, हमारे पास मंगलवार को सुनवाई के लिए हाइब्रिड संविधान पीठ होगी क्योंकि न्यायमूर्ति कौल बीमारी से उबर रहे हैं। न्यायमूर्ति भट शुक्रवार को कोरोना से संक्रमित पाए गए। इसकारण वे वर्चुअल तरीके से शामिल हुए हैं।'' उन्होंने न्यायमूर्ति कौल से कहा कि अगर वह चाहें, तब पीठ बीच में संक्षिप्त विराम ले लेगी ताकि वह दिन भर चलने वाली सुनवाई के दौरान कुछ राहत महसूस कर लें। मामले में चौथे दिन सुनवाई बहाल होने पर याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गीता लूथरा ने दलीलें रखीं। न्यायमूर्ति भट ने कहा कि उन्होंने देखा है कि संविधान की ''मूल संरचना'' की महत्वपूर्ण अवधारणा देने वाले ऐतिहासिक केशवानंद भारती मामले में पूरे फैसले सहित दस्तावेजों के चार से पांच खंड मामले में दाखिल किए गए है। सीजेआई ने पूछा, हमने उच्चतम न्यायालय के वेब पेज पर केशवानंद भारती मामले के सभी खंड तथा उसे जुड़ा सबकुछ जारी किया है। इस यहां किसने शामिल किया?''

भारत-चीन सीमा विवाद: कोर कमांडर स्तर की वार्ता रही विफल, अब रक्षामंत्रियों की वार्ता से उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर डेपसांग मैदानी क्षेत्र में डी-एस्केलेशन और विवादास्पद मुद्दों का हल तलाशने में भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की 18वें दौर की वार्ता पर विफल रही। भारत और चीन के कोर कमांडर स्तर की मौजूदा वार्ता से पहले दिसंबर 2022 में यह वार्ता हुई थी। कई दौर की बातचीत से सैनिकों ने एलएसी के साथ कई स्थानों से वापसी की है। लेकिन जानकारी के मुताबिक, भारत और चीन दोनों ही बॉटलनेक नामक क्षेत्र से आगे गश्त करने के लिए एक-दूसरे को रोक रहे हैं। फॉरवर्ड पोस्ट पर अभी भी बख्तरबंद गाड़ियों, तोपखाने वाने सैन्य उपकरणों के सेनाएं तैनात हैं।

भारत ने चीन के समक्ष सेना के डी-एस्केलेशन की मांग की है। भारत का पक्ष यह है कि यहां फॉरवर्ड पोस्ट पर स्थिति अप्रैल 2020 से पहले के अनुसार होनी चाहिए। भारत में चीन से कहा कि क्षेत्र में सभी अतिरिक्त सैनिकों और उपकरणों की वापसी करनी होगी।

गौरतलब है कि विदेश मंत्रालय ने बयान जारी किया, हालांकि यह पहले की तरह दोनों देशों का एक संयुक्त बयान नहीं था। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने एलएसी के साथ प्रासंगिक मुद्दों के समाधान पर स्पष्ट और गहन चर्चा की। इसमें कहा गया है कि राज्य के नेताओं द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और मार्च 2023 में दोनों विदेश मंत्रियों के बीच हुई बैठक के अनुसार, उन्होंने खुले और स्पष्ट तरीके से विचारों का आदान-प्रदान किया। अंतरिम रूप से दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए।

इस बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष निकट संपर्क में रहने और सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से बातचीत बनाए रखने और जल्द से जल्द शेष मुद्दों के पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान पर काम करने पर सहमत हुए।

गौरतलब है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक 27 और 28 अप्रैल को होनी है। इस बैठक से ठीक पहले भारत और चीन के शीर्ष सैन्य कमांडरों ने कोर कमांडर स्तर की 18वें दौर की यह वार्ता आयोजित की गई थी। कमांडर स्तर की वार्ता विफल होने के बाद अब सारी उम्मीदें 27 और 28 अप्रैल को होने वाली चीनी रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच होने वाली वार्ता पर टिकी हैं।

रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बताया कि कोर कमांडरों की वार्ता में कोई सफलता हासिल नहीं हुई है। इस वार्ता के दौरान भारत की ओर से एलएसी पर तनाव कम करने और डेपसांग में तनाव कम करने के लिए दबाव डाला गया था।

केशवानंद भारती केस को 50 साल पूरे, इतिहास में पहली बार और आखिर बार बैठी थी 13 सदस्यीय बेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय लोकतंत्र के लिए 24 अप्रैल का दिन बेहद खास है। 50 साल पहले इसी दिन सुप्रीम कोर्ट की 13 सदस्यीय बेंच ने केशवानंद भारती केस की सुनवाई करते हुए संसद के मौलिक अधिकारों सहित संविधान के मूल ढांचे में संशोधन रोकने वाला ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली बार और आखिर बार इतने ज्यादा सदस्यों की बेंच बैठी थी। फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारें संविधान से ऊपर नहीं हैं। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने केशवानंद भारती केस के 50 साल पूरा होने के उपलक्ष्य पर फैसले के रिकॉर्ड को अपलोड किया। सुप्रीम कोर्ट चाहती है कि यह फैसला न सिर्फ कानूनी पढ़ाई करने वाले पढ़ें, बल्कि देश-विदेश के बाकी लोग भी जान सकें।

इस ऐतिहासिक केशवानंद भारती केस पर सुप्रीम कोर्ट ने 703 पन्नों में विस्तृत फैसला सुनाया था। इस केस के पीछे की कहानी बड़ी रोचक है। 13 सदस्यीय बेंच ने फैसले को सर्वसम्मति नहीं 7-6 के मार्जिन से सुनाया। इस फैसले को सुनाने वालों में उस वक्त तत्कालीन सीजेआई एसएम सीकरी, जस्टिस जेएम शेलत, केएस हेगड़े, एएन ग्रोवर, एएन रे, पीजे रेड्डी, डीजी पालेकर, एचआर खन्ना, केके मैथ्यू, एमएच बेग, एसएन द्विवेदी, बीके मुखर्जी और वाईवी चंद्रचूड़ शामिल थे। हालांकि केस केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य था लेकिन केस में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की काफी दिलचस्पी थी। वहां चाहती थीं कि फैसला भारती के खिलाफ आए, ताकि सरकार संविधान में मनमुताबिक बदलाव कर सके।

साल 1973 की बात है, जब केरल की तत्कालीन सरकार ने भूमि सुधार के लिए दो कानून लागू किए। इस कानून के मुताबिक, सरकार मठों की संपत्ति को जब्त कर देती। केरल सरकार के फैसले के खिलाफ इडनीर मठ के सर्वेसर्वा केशवानंद भारती ने खिलाफत की। वहां सरकार के खिलाफ चले गए। केशवानंद भारती ने अदालत में संविधान के अनुच्छेद 26 का जिक्र कर दलील दी कि हमें धर्म के प्रचार के लिए संस्था बनाने का अधिकार है। इसलिए सरकार ऐसी संस्थाओं की संपत्ति जब्त करके संविधान में मौजूद अधिकारों का हनन कर रही है। इस केस के द्वारा केशवानंद भारती ने न सिर्फ केरल सरकार बल्कि केंद्र में बैठी इंदिरा सरकार को भी सीधी चुनौती दे डाली थी।

दरअसल, उस वक्त सरकार चला रहीं इंदिरा गांधी अपने फैसलों को मनवाने के लिए एक के बाद एक कानूनों में बदलाव कर रहीं थी। हर बार इंदिरा को अपने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से भी चुनौती मिल रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने लगातार इंदिरा के तीन बड़े फैसलों को ही पलट दिया था। इसमें बैंकों का राष्ट्रीयकरण करना, देसी रियासतों को दिए जाने वाले पैसे यानी प्रिवी पर्स को खत्म करना और कानून के मूल अधिकारों में बदलाव वाले फैसलों को पलट दिया था। अब इंदिरा सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से खींझ चुकीं थी। उन्होंने अब सुप्रीम कोर्ट को ही काबू में करने का मन बनाया। 5 नवंबर 1971 को सरकार ने संविधान में 24वां संशोधन करके सुप्रीम कोर्ट को सीधी चुनौती दे डाली। इंदिरा 1967 में सुनाए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बेअसर करना चाहती थी। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने गोलकनाथ केस में फैसला सुनाकर कहा था कि सरकार लोगों के मूल

अधिकारों में कोई बदलाव नहीं कर सकती है।

अब केशवानंद भारती केस में सुप्रीम कोर्ट के सामने एक बार फिर ये सवाल उठा कि क्या सरकारें संविधान की मूल भावना को बदल सकती है? मामले की गंभीरता को देखकर सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली और आखिरी बार 13 जजों की बेंच बैठी। इस बेंच का नेतृत्व तत्कालीन सीजेआई सीकरी ने किया। 70 दिनों तक चली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने केशवानंद भारती केस पर 7-6 मार्जिन के साथ फैसला सुनाया। इस तरह फैसला केशवानंद भारती के पक्ष में आया। यह इंदिरा गांधी सरकार के लिए बड़ा झटका था। केशवानंद भारती केस पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तीन प्रमुख टिप्पणियां की। इसमें पहली टिप्पणी थी सरकारें संविधान से ऊपर नहीं हैं। दूसरी, सरकार संविधान की मूल भावना के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकती और तीसरी कि यदि सरकार अगर किसी भी कानून में बदलाव करती है, तब अदालत को सरकार के उस फैसले की न्यायिक समीक्षा करने का अधिकार है।

पाक पुलिस स्टेशन पर आत्मघाती हमला, 8 पुलिसकर्मियों समेत 10 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक आत्मघाती हमला हुआ है, जिसमें 8 पुलिसकर्मियों समेत 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि 29 लोग धमाके के बाद घायल हो गए हैं। पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी विभाग के स्वात जिला के कबाल पुलिस थाने में यह धमाका हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने आत्मघाती हमले की पुष्टि की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में घायल हुए एक पुलिस अधिकारी इमदाद खान ने कहा कि यह धमाका रात 8.20 पर हुआ है। धमाका पुलिस स्टेशन में हुआ, जिसमें काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट की बिल्डिंग और एक मस्जिद है। उन्होंने बताया कि धमाका इतना तेज था कि तीन बिल्डिंग गिर गईं। इस धमाके के तुरंत बाद हर और आग लग गई। इमदाद खान ने कहा कि जब धमाका हुआ तब वह किचन में थे। उन्होंने बताया कि दो धमाके की आवाज उन्हें सुनाई दी। पुलिस ने कहा कि कई लोग मलबे में दब गए हैं। वहीं घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया जा रहा है। धमाके के बाद आसपास के सभी अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने विस्फोट की कड़ी निंदा की है। उन्होंने घटना में मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया। इसके साथ ही घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की है। इसके अलावा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इस घटना पर दुख जताया है। अभी तक किसी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान हो सकता है।

पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर पहुंचे चीन, कर्ज की लगायेंगे गुहार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान आर्मी के मुखिया जनरल आसिम मुनीर चीन पहुंच गए हैं, वे अगले चार दिनों तक चीन में होंगे। सेना की तरफ से एक बयान में बताया गया है कि वह द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के मकसद से चीन गए हैं। माना जा रहा है कि यहां पर जनरल चीन को और कर्ज देने के लिए कह दे सकते हैं। गौरतलब है कि मुनीर का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष(आईएमएफ) की तरफ से वित्तीय भरोसा हासिल न होने की बात कही जा रही है। मुनीर से पहले आईएसआई के मुखिया भी चीन के दौरे पर गए थे। इस साल जनवरी में जनरल असीम मुनीर ने अपनी नियुक्ति के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा की थी। वह सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) की यात्रा पर गए थे। जनरल मुनीर चार से 10 जनवरी तक अपने पहले विदेशी दौरे पर थे। पिछले ही हफ्ते पीएम शहबाज शरीफ ने जनरल असीम मुनीर के उन प्रयासों की तारीफ की है जिसके तहत वह देश के लिए वित्तीय प्रतिबद्धताएं हासिल करने में सफल रहे हैं। आईएमएफ द्वारा बेलआउट पैकेज को हासिल करने के लिए यह सबसे बड़ी शर्त थी कि पाकिस्तान के चीन, सऊदी अरब और यूएई की तरफ से उसे वित्तीय भरोसा मिल सके। गौरतलब है कि जनरल मुनीर ऐसे समय में चीन पहुंचे हैं जब पिछले दिनों एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहिस्तान जिले में ईशनिंदा के आरोप में एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। सूत्रों की मानें तो जनरल मुनीर उच्च सुरक्षा वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यहां पर सेना प्रमुख दोनों सहयोगियों के बीच सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करेंगे। दोनों पक्ष चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरीडोर की सुरक्षा के साथ ही दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग पर भी बात करेंगे। हाल के हफ्तों में चीन का दौरा करने वाला यह दूसरा उच्च स्तरीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल होगा। इस महीने की शुरुआत में आईएसआई के मुखिया नदीम अंजुम ने भी 11-12 अप्रैल को चीन का दौरा किया था।

जर्मनी में चल रहा चिपको आंदोलन, हाथों को गोंद से सड़कों पर चिपका रहे

बर्लिन । जर्मनी में अलग तरह का चिपको आंदोलन चल रहा है। यहां के पर्यावरण कार्यकर्ता द्वारा सड़कों को जाम कर दिया गया है। प्रदर्शनकारी खुद के हाथों को गोंद से सड़कों पर चिपका रहे हैं। आंदोलन का कारण जलवायु परिवर्तन है। समूह ने जलवायु संकट की अनदेखी के लिए जर्मन सरकार की आलोचना कर पूरे सप्ताह नागरिकों के कार्यों में बाधा डालने की कसम खाई है। बर्लिन पुलिस के अनुसार, शहर में 33 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। 500 से अधिक अधिकारियों को पूरे दिन सड़कों पर ड्यूटी के लिए लगाना पड़ा है। इस आंदोलन में कम से कम 40 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। जलवायु कार्यकर्ताओं ने अपनी चिंताओं को लेकर जर्मन सरकार पर दबाव बनाने के लिए बर्लिन में सड़कों को जाम कर दिया। वे जलवायु परिवर्तन की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए सड़कों पर अपने हाथों को चिपका रहे हैं। इस प्रदर्शन की वजह से यातायात काफी प्रभावित हुआ है। बर्लिन पुलिस ने बताया कि कार्यकर्ताओं के हाथों को सड़क से निकालने के लिए ड्रिल मशीन का इस्तेमाल करना पड़ा है, जिससे सड़कें उखड़ गई हैं। बर्लिन पुलिस के अनुसार, शहर में 33 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। 500 से अधिक अधिकारियों को पूरे दिन सड़कों पर ड्यूटी के लिए लगाना पड़ा है। यह प्रदर्शन लास्ट जेनरेशन ग्रुप के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। शहरों में घंटे भर की रुकावट से आपातकालीन सेवाओं को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 15 एंबुलेंस ट्रैफिक जाम में फंसी रह गईं।

पत्रकारों को वीजा नहीं देने के लिए अमेरिका को माफ नहीं करेंगे : रूस

मास्को । रूस ने कहा कि अमेरिका ने उन पत्रकारों को वीजा देने से इनकार कर दिया है, जो विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की न्यूयॉर्क यात्रा को कवर करना चाहते थे। लावरोव ने संकेत दिया कि मॉस्को अमेरिका के इस कदम के खिलाफ कठोर जवाबी कार्रवाई करेगा। लवरोव की यात्रा को कवर करने के इच्छुक पत्रकारों को वाशिंगटन द्वारा वीजा देने से इनकार करने के रूसी दावे पर अमेरिका के विदेश विभाग की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस ने कहा है कि अमेरिकी वीजा हासिल करने का पत्रकारों का उद्देश्य सुरक्षा परिषद की रूस की अध्यक्षता के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र में लावरोव की उपस्थिति को कवर करना था। रविवार को मॉस्को से रवाना होने से पहले लवरोव ने कहा कि एक देश जो खुद को सबसे मजबूत, बुद्धिमान, स्वतंत्र और निष्पक्ष देश बताता है, उसने अभिव्यक्ति की आजादी और सूचना तक पहुंच के अधिकार की रक्षा के बारे में अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करके बहुत बड़ी बेवकूफी की है। उन्होंने कहा कि यकीन मानिए हम इस हरकत को भूलेंगे नहीं और न ही आपको माफ करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय का सदस्य दुष्कर्म मामलों में दोषी करार

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के नामचीन सदस्य बालेश धनखड़ को सिडनी में पांच कोरियाई महिलाओं को नशीला पदार्थ देकर उनसे दुष्कर्म का दोषी पाया गया है। एक खबर में यह दावा किया गया। खबर में धनखड़ को शहर के पिछले कुछ साल के इतिहास में सबसे कुत्सित बलात्कारियों में से एक करार दिया गया है। यहां के एक स्थानीय अखबार की खबर के अनुसार सिडनी के ड्राउनिंग सेंटर में जिला अदालत की ज्यूरी ने पाया कि राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति ने पांच कोरियाई महिलाओं को झूठ के जाल में फंसाया, उन्हें नशीला पदार्थ दिया। खबर में यह बताया गया कि वह ऑस्ट्रेलिया में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी का पूर्व प्रमुख था। इसमें कहा गया कि धनखड़ ने अलॉर्म घड़ी के पीछे छिपाए एक कैमरे और अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर अपने यौन कदाचार की घटना रिकॉर्ड की। जब ज्यूरी ने धनखड़ को उसके खिलाफ सभी 39 आरोपों में दोषी ठहराया तो वह रोने लगा। डेटा विशेषज्ञ धनखड़ ने जमानत पर रहने देने की गुहार लगाई लेकिन न्यायाधीश माइकल किंग ने इससे इनकार किया और आरोपी को गिरफ्तार कर ले जाया गया। खबर के अनुसार धनखड़ (43) को मई में एक बार फिर अदालत में लाया जाएगा और साल के अंत तक उसे सजा सुनाई जाएगी। धनखड़ की पत्नी अदालत में रोते हुए उसका समर्थन करती दिखी।

नेपाल से उड़ान भरने वाला फ्लाईदुबई विमान दुबई में सुरक्षित उतरा

काठमांडू। काठमांडू हवाई अड्डे से 160 से अधिक यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाला फ्लाईदुबई का विमान दुबई में सुरक्षित उतरा। हवाई अड्डे के सूत्रों के अनुसार विमान ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह उड़ान भरी थी जिसके तुरंत बाद उसके एक इंजन में खराबी आ गई थी।

मैक्सिको में डिटेंसन सेंटर बंद करने की मांग को लेकर एक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

उस पड़ोसी के साथ जुड़ना मुश्किल, जो हमारे खिलाफ आंतकवाद का इस्तेमाल करना : जयशंकर

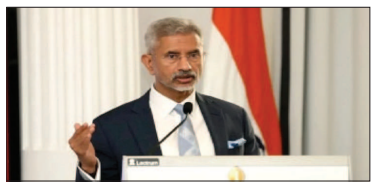

पनामा। पनामा में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा इस तरह की प्रथाओं को प्रोत्साहित न करने की प्रतिबद्धता को पूरा किया है। उनकी यह टिप्पणी मई में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की भारत यात्रा से पहले आई है। जयशंकर ने कहा कि हमारे लिए एक उस पड़ोसी के साथ जुड़ना बहुत मुश्किल है, जो हमारे खिलाफ सीमा पार आतंकवाद का अभ्यास करता है। जयशंकर की टिप्पणी इसलिए भी मायने रखती है, क्योंकि पिछले हफ्ते पुंछ जिले में एक आतंकवादी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। जयशंकर ने बार-बार पाकिस्तान पर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने और विभिन्न आतंकी संगठनों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने का आरोप लगाया है। भारत ने हमेशा अपनी पड़ोसी पहले नीति को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की इच्छा की है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों को आतंकवाद और हिंसा से मुक्त माहौल में मुद्दों को सुलझाना चाहिए और ऐसा अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है।

अपने बच्चों को सुरक्षित लाएगी मां...

इसलिए भारत ने सूडान से भारतीयों के रेस्क्यू को दिया 'ऑपरेशन कावेरी' का नाम

रियाद (एजेंसी)। भारत से 5 हजार किलोमीटर दूर सूडान है, जहां सत्ता पर कब्जे के लिए सेना और अर्द्धसैनिक बलों के बीच युद्ध चल रहा है। गृह युद्ध वाले सूडान में करीब 4 हजार भारतीय फंसे हुए हैं। भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन कावेरी शुरू कर दिया है। एयरफोर्स के दो जंबो जेट विमान और नेवी का एक युद्धपोत रेस्क्यू मिशन में शामिल है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सूडान में भारतीयों को निकालने की प्रक्रिया पर ट्वीट करते हुए कहा कि सूडान में फंसे हमारे नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन कावेरी चल रहा है।

ऑपरेशन कावेरी क्या है?

कावेरी यह उसी तर्ज पर है जैसा कि पीएम ने यूक्रेन में ऑपरेशन गंगा के रूप में ऑपरेशन का नाम देने के लिए चुना था। कावेरी कर्नाटक और तमिलनाडु के दक्षिणी राज्यों से होकर बहने वाली प्रमुख भारतीय नदियों में से एक है। नदी क्षेत्र के लोगों के लिए पवित्र है और देवी कावेरीअम्मा (मां कावेरी) के रूप में पूजा की जाती है। मोदी सरकार द्वारा इस ऑपरेशन के नामकरण पर एक अन्य शीर्ष सूत्र ने बताया कि ये एक माँ की तरह है जो यह सुनिश्चित करेगी कि वह अपने बच्चों को सुरक्षित वापस लाएगी।

केरल के बेटे कर रहे निगरानी

पीएम मोदी ने कोच्चि में युवम कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा था कि सूडान में गृहयुद्ध के कारण हमारे कई लोग वहां फंस गए हैं। इसलिए हमने उन्हें सुरक्षित लाने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू किया है। इसकी निगरानी केरल के बेटे कर रहे हैं और हमारी सरकार के मंत्री मुरलीधरन।' इस बीच, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन सूडान में बचाव प्रयासों की निगरानी के लिए जेद्दा के लिए रवाना होंगे।

ऑपरेशन गंगा और ऑपरेशन देव शक्ति के बाद अब ये

एक साल से अधिक समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार ने रूस के साथ संघर्ष के बीच यूक्रेन से भारतीय छात्रों को निकालने के लिए एक बड़ी चुनौती की तरह देखा। यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को निकालने के अभियान को 'ऑपरेशन गंगा' कहा गया। गंगा न केवल एक विशाल नदी है बल्कि भारत में इसकी पूजा की जाती है। अफगानिस्तान में तालिबान के हमले के समय भारत द्वारा चलाए गए बचाव अभियान को 'ऑपरेशन देवी शक्ति' कहा गया था। ऑपरेशन देवी शक्ति के नामकरण के पीछे तर्क बताते हुए सूत्रों ने कहा कि देवी दुर्गा एक रक्षक हैं और संकट में लोगों की मदद के लिए आती हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर का नाम तनावपूर्ण स्थिति में लोगों का मनोबल बढ़ाने में मदद करता है। पीएम मोदी मां दुर्गा के भक्त हैं।

अब चीन भारतीयों के नजर में सबसे बड़ा सैन्य खतरा, पाक नहीं : रो खन्ना

-प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य हैं रो खन्ना

वाशिंगटन (एजेंसी)। प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य रो खन्ना ने कहा कि भारतीय अब चीन को अपने सबसे बड़े सैन्य खतरे के रूप में देखते हैं न कि पाकिस्तान को और उन्होंने बीजिंग के साथ रचनात्मक तरीके से पुनः संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत और चीन के बीच मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद से ही दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हैं। दोनों देशों ने इस गतिरोध को हल करने के लिए उच्च स्तरीय सैन्य कमांडर स्तर की 17 दौर की वार्ता की हैं। भारत ने कहा है कि सीमावर्ती इलाकों में शांति कायम होने तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। खन्ना ने सोमवार को प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड्स हूवर इंस्टीट्यूशन में विदेश नीति पर भाषण में कहा कि आज हमें चीन के साथ रचनात्मक तरीके से पुनः संतुलन बनाने की आवश्यकता है।

खन्ना ने कहा कि चीन के साथ रचनात्मक तरीके से पुनः संतुलन बनाने के लिए चार मार्गदर्शक सिद्धांत है पहला व्यापार घाटे तथा तनाव को कम करने के लिए आर्थिक पुनः नियोजन, दूसरा संचार के खुले रास्ते, तीसरा प्रभावी सैन्य प्रतिरोध और चौथा हमारे एशियाई साझेदारों के लिए सम्मान तथा दुनिया के साथ मजबूत आर्थिक भागीदारी।

अमेरिका को भारत व अन्य एशियाई साझेदारों के साथ गठबंधन बनाने की जरूरत: खन्ना

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सिलिकॉन वैली का प्रतिनिधित्व करने वाले 46 वर्षीय खन्ना ने कहा कि अमेरिका को भारत तथा अन्य एशियाई साझेदारों के साथ गठबंधन बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ ही क्वाड में भारत की भागीदारी यह सुनिश्चित करने के लिए अहम है कि हमारे साझेदार एशिया में चीन को आधिपत्य जमाने से रोकने के लिए एक साथ मिलकर काम करें। पश्चिमी उपनिवेशवाद के बाद 1950 में चीन और भारत ने एशिया को उभरते देखने की साझा आकांक्षा जतायी थी, लेकिन चीन के साथ सहयोग की नेहरू की दूरदृष्टि में खटास आ गयी थी। खन्ना ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अपनी रक्षा का निर्माण करने में संकोच करने वाले देश जापान ने भी अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा सामग्री के निर्माण में ऐतिहासिक कदम उठाए।

यूएन में पाकिस्तान ने अलापा कश्मीर का राग, तो भारत ने दिया करारा जवाब

न्यूयॉर्क (एजेंसी) संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी राजदूत रुचिरा कंबोज ने सुरक्षा परिषद की बैठक में पाकिस्तान को जमकर सुनाया। पाकिस्तान की तरफ से जब बहस के बीच जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया गया तो उन्होंने कहा वह ऐसी 'बेकार' टिप्पणियों का जवाब नहीं देती। उनका कहना था कि ऐसी बातों का जवाब देना मतलब सुरक्षा परिषद का समय बर्बाद करना और वह ऐसा नहीं करेंगी। कंबोज संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बनाए रखने-संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के सिद्धांतों को कायम रखते हुए प्रभावी बहुपक्षवाद विषय पर चर्चा कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने पाकिस्तान की टिप्पणियों पर कड़ा जवाब दिया। गौरतलब है कि इस महीने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता रूस कर रहा है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सोमवार को बहस की अध्यक्षता कर रहे थे, तभी संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने अपने बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया। इस पर कंबोज ने कहा, अंत में, इस सम्मानित मंच ने आज एक स्थायी प्रतिनिधि द्वारा कुछ बेकार की टिप्पणियां सुनीं जो विशुद्ध रूप से अज्ञानता और विऔपनिवेशीकरण के बुनियादी तथ्यों पर समझ की कमी के कारण की गईं।

उन्होंने कहा, मैं उन टिप्पणियों का जवाब देकर इस परिषद का समय बर्बाद नहीं करूंगी, पाकिस्तान लगातार संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों पर कश्मीर के मुद्दे को उठाता है, भले ही बैठकों में एजेंडा और चर्चा का विषय कुछ भी हो। पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान रद्द कर भारत सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा वापस लेने के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। भारत के फैसले पर पाकिस्तान ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए उससे राजनयिक संबंध सीमित कर लिए और भारतीय दूत को निष्कासित कर दिया। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्पष्ट रूप से कहा है कि अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करना उसका आंतरिक मामला है। उसने पाकिस्तान को वास्तविकता को स्वीकार करने और भारत विरोधी सभी प्रचार बंद करने की भी सलाह दी।

राष्ट्रपति बाइडन ने 2024 में शीर्ष पद के लिए फिर से दावेदारी की घोषणा की

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प को हराने के तीन साल से भी कम समय में एक बार फिर 2024 में शीर्ष पद के लिये अपनी दावेदारी की मंगलवार को घोषणा की। उन्होंने लोकतंत्र को बचाने और 'काम पूरा खत्म करने' के लिए अमेरिकियों से फिर से उन्हें चुनने का आह्वान करते हुए अपनी दावेदारी की शुरुआत की। डेमोक्रेट बाइडन (80) ने तीन मिनट के एक प्रचार वीडियो में यह घोषणा की। इस वीडियो की शुरुआत एक शब्द 'फ्रीडम' के साथ होती है। राष्ट्रपति बाइडन कई दशकों से राजनीति में सक्रिय रहे हैं। वह अमेरिकी इतिहास के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं। बाइडन की दलील है कि 2024 में चुनावों में गर्भपात के अधिकार, लोकतंत्र की रक्षा, मतदान के अधिकार और सामाजिक सुरक्षा तंत्र सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक होंगे।

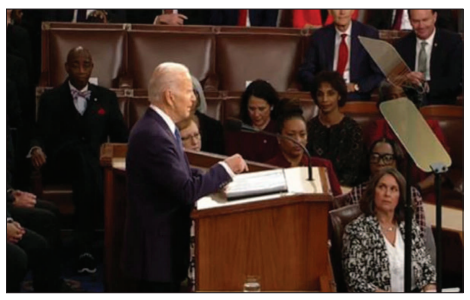

उन्होंने कहा, 'अमेरिकियों की हर पीढ़ी ने एक ऐसे क्षण का सामना किया है जब उन्हें लोकतंत्र की रक्षा करनी है, हमारी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए खड़े होना है, और हमारे मतदान के अधिकार और हमारे नागरिक अधिकारों के लिए खड़े होना है। यह हमारे हैं।' वीडियो में बाइडन ने 2024 के चुनाव को रिपब्लिकन अतिवाद के खिलाफ लड़ाई करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें राष्ट्र के चरित्र को बहाल करने के लिए अपने संकल्प को पूरी तरह से साकार करने के वास्ते और समय चाहिए। उन्होंने वीडियो में कहा, 'जब मैं चार साल पहले राष्ट्रपति पद के लिए खड़ा हुआ था, मैंने कहा था कि हम अमेरिका की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। और हम अब भी लड़ रहे हैं।'

वीडियो छह जनवरी 2021 के उपद्रव और गर्भपात अधिकार कार्यकर्ताओं के अमेरिकी उच्चतम न्यायालय में विरोध की तस्वीरों के साथ शुरू होता है। उन्होंने कहा, 'हम जिस प्रश्न का सामना कर रहे हैं वह यह है कि क्या आने वाले वर्षों में हमारे पास अधिक स्वतंत्रता है या कम स्वतंत्रता है। अधिक अधिकार हैं या कम।' बाइडन ने कहा, 'मुझे पता है कि मैं क्या जवाब चाहता हूं और मुझे लगता है कि आप भी जानते हैं। यह संतुष्ट होने का समय नहीं है। इसलिए मैं दोबारा चुनाव लड़ रहा हूं।

यूके समूह ने भारत से की राष्ट्रमंडल में राजशाही के विरोध में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील

लंदन । ब्रिटेन में निर्वाचित राष्ट्राध्यक्ष के लिए अभियान चला रहे देश के सबसे बड़े राजशाही-विरोधी समूह रिपब्लिक ने कहा कि भारत राष्ट्रमंडल में इस बात को रेखांकित करने के लिए प्रमुख भूमिका निभा सकता है कि संगठन ब्रिटेन के शाही परिवार के साथ अटूट रूप से जुड़ा हुआ नहीं है। रिपब्लिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्राहम स्मिथ ने ताजा जनमत सर्वेक्षण का हवाला देते हुए दावा किया कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद से राजशाही के लिए समर्थन में कमी आई है। महारानी के उत्तराधिकारी महाराजा चार्ल्स तृतीय के छह मई को होने वाले राज्याभिषेक से पहले समूह ट्राफलगर स्क्वायर में और मध्य लंदन में 74 वर्षीय चार्ल्स के राज्याभिषेक जुलूस के मार्ग में नॉट माई किंग के बैनर तले प्रदर्शन करने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है। स्मिथ ने कहा ?कि मुझे लगता है कि भारत हमें याद दिला सकता है कि राष्ट्रमंडल और राजशाही आपस में जुड़े नहीं हैं। भारत ने राजशाही से छुटकारा पाने के लिए और क्राउन से अलग होने तथा गणराज्य बनने के लिए बहुत समय पहले सही निर्णय लिया था। इस बात की मजबूती से पुष्टि होती है कि राष्ट्रमंडल किसी तरह से भी राजशाही से जुड़ा नहीं है।

बिलावल के दौरे से पहले भारत के आक्रामक तेवर, पनामा में आतंकवाद पर जमकर लताड़ा

पनामा सिटी (एजेंसी)। पनामा में आतंकवाद को लेकर भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। गौरतलब है कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय पनामा के दौरे पर हैं। वह यहां पर दो दिनों के दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान देश के उप विदेश मंत्री व्लामीदिर फ्रैंकोस ने उनका स्वागत किया। जयशंकर पनामा में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंडे पर चर्चा करेंगे। इससे पहले जब उन्होंने मीडिया से बात की तो पाकिस्तान पर निशाना साधा। जयशंकर ने पाकिस्तान को ऐसा पड़ोसी करार दिया है जो सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देना जारी रखे हुए है। जयशंकर के मुताबिक ऐसे पड़ोसी के साथ किसी भी तरह के रिश्ते काफी मुश्किल हैं। पनामा के विदेश मंत्री के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में जयशंकर ने कहा कि हमारे लिए एक ऐसे पड़ोसी के साथ संपर्क बनाए रखना काफी मुश्किल हो जाता है जो सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने में शामिल है। हमने हमेशा कहा है कि उन्हें अपने उस वादे को पूरा करना होगा जो आतंकवाद को समर्थन न देने और सीमा पार आतंकवाद को बंद करने से जुड़ा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर उम्मीद जताई कि एक दिन दोनों देश उस स्थिति में पहुंच जाएंगे। जयशंकर का यह बयान पिछले दिनों पुंछ में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की पहली टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो अगले कुछ दिनों में भारत में होंगे। जयशंकर के इस बयान से साफ है कि जब बिलावल शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) सम्मेलन में मौजूद होंगे तो उन्हें आतंकवाद पर भारत की तरफ से काफी कुछ सुनना होगा। इस बयान से इशारा मिल जाता है कि गोवा में होने वाले सम्मेलन में जब भारत, पाकिस्तान के साथ मंच साझा करेगा तो वहां पर क्या होगा।

विदेश मंत्री इस दौरे पर पनामा की विदेश मंत्री जनैना टेवेनी से कई मुद्दों पर चर्चा करने वाले हैं। जयशंकर पहले दक्षिणी एशियाई मंत्री हैं जो पनामा के दौरे पर गए हैं। भारत और पनामा के बीच छह दशकों से द्विपक्षीय रिश्ते हैं। पनामा के विदेश मंत्रालय ने उनकी यात्रा के महत्व पर जोर देते हुए कहा इतिहास में पहली बार, एक भारतीय विदेश मंत्री पनामा का दौरा कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि एक यात्रा जयशंकर के मध्य अमेरिका दौरे के बाद टॉप पर आती है।

संपादकीय

स्वयं को समझे

सबसे कठिन काम है स्वयं को समझना जिसने स्वयं को समझ लिया सही से मानो उसने मोक्ष के पथ की राह को समझ लिया। खुद को खोना के साथ शब्द की तीन शक्तियों हैं ।ये शब्द की तीन शक्तियां होती हैं अभिधा,लक्षणा,व्यंजना । जैसे एक वाक्य है सबकुछ खो कर पाना अर्थात मानवीय मूल्यों के एवज में, धन दौलत पा जाना यह अभिधा शक्ति हुई । खुद को खो कर सब कुछ पाना यानिहम अपने अहम् को छोड़ कर सबका मन जीत सकते है । यह लक्षणा शक्ति हुई ।खुद को खो कर सब कुछ पाना अर्थात संसार कीसब मोह माया प्रवृत्ति मन वचन काया की , को खो कर ही हम सब कुछ यानि परम तत्त्व को पा सकते हैं । यह व्यंजना शक्ति हुई । इस तरह एक ही वाक्य के अनेकों अर्थहोते हैं । तभी तो कहा हैं की हम हमेशा सही अर्थ निकालें न बढ़ाएं स्वयं को समझने में उलझने व्यर्थ। हम हमारे भीतर ऐसा कोई दीपजलाएं जो कर दे हमारे मन को आलोकित ।हम उस उस प्रज्ञा को गले के लगाएं । हम हमारे भीतर ऐसा कोई दीप जलाएं । हम संपूर्णज्ञान को प्राप्त कर अंधेरे को मार भगाये । प्रज्ञा के प्रकाश को पाये । आज जपें उस महावीर को अपने इस मन को निर्मल कर पाएं । हम हमारे भीतर ऐसा कोई दीप जलाएं ।बाहर का प्रकाश हो हमारे भीतर । पर हित का हो भाव सदैव परस्पर । राग द्वेष का अंत जहां हो सिद्धि मार्ग का पथ हम अपनाएं । हमहमारे भीतर ऐसा कोई दीप जलाएं । कोई दूसरा हमें गुस्से में आकर बोले तो हम सुने नहीं । क्यों हम किसी व्यर्थ की बकवास को याफालतू बातों को चुने । किसी का बोलना तो उसके ही वश की बात होता है पर उसे स्वीकार व अस्वीकार करना तो हमारे ही हाथ होता है । हम अपने कानों की खिड़की बंद कर ले व्यर्थ का धुआं आयेगा ही नहीं और हमारा मन आंगन नफरत वघृणा की दुर्गंध से भी मुक्त बन जायेगा । आजकल मोबाइल हमारे जीवन का एक हिस्सा बनता जा रहा है। परन्तु अपने बेहतर जीवन केलिए अनुचित तरीके से उपयोग करने के बजाय इसे सावधानी पूर्वक उपयोग करें तो यह हमारे लिए बड़ा उपयोगी है । मोबाइल मेंसकारात्मकता और नकारात्मकता दोनों ही हैं । उसमें हमारे जीवन में कुछ सकारात्मकता दिखती है तो हमें सेव कर लेना चाहिए औरकुछ नकारात्मकता हो तो डिलीट करना चाहिए और जो दूसरों को प्रसन्न करें या उपयोगी हो तो उसे फॉरवर्ड कर देना चाहिए । उसी तरहहमारे जीवन-व्यवहार में जो उपयोगी है उसे सेव कर लेना चाहिए व अच्छी आदतों को जीवन पर्यंत रखना चाहिए । जीवन व्यवहार मेंउपयोगी नहीं है उन्हें जीवन में से हटाने की कोशिश करनी चाहिए । बुरी आदतों को जीवन से हटाना चाहिए। और हमें स्वस्थ जीवनशैलीके लाभ के बारे में बताना चाहिए ताकि दूसरे भी जीवन में रहे प्रसन्न। यह सम्भव तब होगा जब हम स्वयं को समझेंगे । तभी तो कहा हैंस्वयं को समझो ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

राजस्थान में खेमेबंदी से परेशान है भाजपा

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में दिसम्बर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियां प्रारंभ कर चुके हैं। भाजपा भी प्रदेश में अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने में जुटी है। इसी के तहत प्रदेश अध्यक्ष के पद पर सांसद सीपी जोशी व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर राजेंद्र सिंह राठौड़ को नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए सतीश पूनिया को उपनेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। भाजपा अपने चुनावी गणित में सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला फिट कर रही है। इतना सब करने के बाद भी भाजपा आलाकमान राजस्थान को लेकर संतुष्ट नहीं लग रहा है। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता लगातार राजस्थान का दौरा कर गुआपसी खेमेबंदी को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन भाजपा में व्याप्त खेमेबंदी रुक नहीं रही है।

राजस्थान में भाजपा की सबसे बड़ी समस्या चुनावी चेहरे की हैं। जिसके सहारे पार्टी चुनावी मैदान में उतर सके। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सबसे बड़ी नेता मानी जाती रही है। मगर भाजपा आलाकमान उन्हें चुनाव में चेहरा बनाना नहीं चाहता है। भाजपा आलाकमान चाहता है कि वसुंधरा राजे के स्थान पर नए लोगों को आगे बढ़ाया जाए। इसी सोच के तहत जोधपुर के सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत को केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।

राजपूत समाज से आने वाले गजेंद्र सिंह को पार्टी आलाकमान राजस्थान में प्रमुख चेहरा बनाना चाहता था। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गजेंद्र सिंह को संजीवनी क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी घोटाले में लपेटकर विवादास्पद बना दिया है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को राजस्थान उच्च न्यायालय से अपनी अग्रिम जमानत तक करवानी पड़ी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को लोकसभा चुनाव में हराकर गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर से सांसद बने थे। इस कारण मुख्यमंत्री गहलोत गजेंद्र सिंह को लपेटने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं।

इन दिनों मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुलकर गजेंद्र सिंह शेखावत पर प्रदेश के लाखों गरीब परिवारों से 900 करोड रुपए ठगने का आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत तो सार्वजनिक रूप से इतना तक कह रहे हैं कि गजेंद्र सिंह शेखावत को आमजन से ठगी कर एकत्रित कर विदेशों में जमा करवाए गए धन को वापस लाकर गरीब लोगों को लौटाना चाहिए। गहलोत के आरोपों से गजेंद्र सिंह शेखावत की छवी सार्वजनिक रूप से खराब हुई है और वह बैकफुट पर आ गए हैं। गजेंद्र सिंह को लेकर मुख्यमंत्री गहलोत के आक्रमक रूप को देखते हुए भाजपा आलाकमान भी उन्हें फ्रंट फुट पर उतारने से कत्रई काटने लगा है। भाजपा आलाकमान को पता है कि यदि गजेंद्र सिंह शेखावत को चेहरा बनाकर पार्टी विधानसभा चुनाव में उतरती है तो मुख्यमंत्री गहलोत का मुख्य निशाना उन्हीं पर होगा और इसका खामियाजा भाजपा को उठाना पड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी नहीं चाहती है कि राजपूत समाज के किसी अन्य नेता को उनके स्थान पर प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा जाए। इसके लिए वसुंधरा राजे अपने समर्थकों से अंदर खाने गजेंद्र सिंह का विरोध करवा रही है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए चित्तौड़गढ़ के सांसद सीपी जोशी प्रदेश में कोई पॉपुलर फेस नहीं रहे हैं। प्रदेश स्तर पर उनका कोई बड़ा जनाधार भी नहीं है। दोनों लोकसभा चुनाव भी वह मोदी के चेहरे पर जीते हैं। जातिगत समीकरण के हिसाब से उनको प्रदेश अध्यक्ष तो बना दिया गया है। मगर उन्हे चुनावी चेहरा बनाकर पार्टी को शायद ही कोई फायदा मिले। सीपी जोशी खुद भी लगातार बोल रहे हैं कि वह मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल नहीं हैं। उनका काम संगठन को मजबूत करना हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए गए राजेंद्र राठौड़ लगातार सातवीं बार विधायक बने हैं। मगर उनका भी प्रभाव अपने क्षेत्र तक ही सीमित है। वह पार्टी का प्रदेश स्तर पर नेतृत्व कर सके इतना प्रभाव उनका नहीं रहा है। कोटा के सांसद ओम बिरला दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह की पहली पसंद है। हो सकता है यदि चुनाव में पार्टी को बहुमत मिले तो उन्हें मुख्यमंत्री भी बना दिया जाए। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए सीपी जोशी उनके आशीर्वाद से ही अध्यक्ष बन पाए हैं। लोकसभा अध्यक्ष के संवैधानिक पद पर होने के कारण ओम बिरला खुलकर पार्टी की राजनीति नहीं कर सकते हैं। ना ही वह पार्टी पदाधिकारी बन सकते हैं। जाट नेता सतीश पूनिया के रूखे व्यवहार व वसुंधरा राजे से सीधे टकराव के चलते ही उन्हें पद से हटाया गया था। ऐसे में उनकी भूमिका सीमित ही रखी जाएगी। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री व बीकानेर के सांसद अर्जुन राम मेघवाल अपने विवादास्पद व्यक्तित्व के चलते सर्वमान्य नेता के रूप में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं। उनके पुत्र से जुड़े विवादों के चलते पिछले दिनों उन्हें बचाव की मुद्रा में आना पड़ा था। बीकानेर के दिग्गज नेता देवी सिंह भाटी से अनबन के चलते ही उनका पुत्र जिला परिषद का चुनाव हार गया था। भाजपा के राज्यसभा सदस्य डॉ किरोड़ी लाल मीणा जुझारू छवि के नेता है तथा आए दिन जनआन्दोलन करते रहते हैं। मगर बढ़ती उम्र व विवादो में रहने के चलते पिछले विधानसभा चुनाव में उनका समर्थक एक भी प्रत्याशी विधानसभा चुनाव में नहीं जीत पाया था। उनकी स्वयं की दौसा संसदीय सीट पर भी उनकी विरोधी रही जसकौर मीणा को प्रत्याशी बनाया गया था।

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुलकर फ्रंट फुट पर खेल रहे हैं। पिछले दिनों सचिन पायलट के अनशन के दौरान पार्टी आलाकमान ने स्पष्ट रूप से उनके ही नेतृत्व में अगला चुनाव लड़े जाने की घोषणा कर दी थी। उसके बाद से गहलोत विपक्ष सहित पायलट पर भी आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की चुनाव की कमान पूरी तरह अशोक गहलोत के हाथ में रहेगी। वहीं भाजपा को मजबूरी में बिना चेहरे के ही चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा। उस पर वसुंधरा की उपेक्षा भी भाजपा को भारी पड़ सकती है। कर्नाटक चुनाव में टिकट काटने पर बहुत से भाजपा के वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ कर भाजपा को तगड़ा झटका दिया है। राजस्थान में भी यदि वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों की उपेक्षा की गई वही स्थिति हो सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे राजस्थान में भाजपा के लिए बड़ा संकट बनी हुई है। पार्टी उनकी जितनी उपेक्षा करेगी उतना ही अधिक भाजपा को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ेगा। प्रदेश की राजनीति में आज भी वसुंधरा राजे समर्थकों का एक बड़ा वर्ग है जो वसुंधरा राजे की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं कर पाएगा। कुल मिलाकर भाजपा के पास प्रदेश में ऐसा कोई सर्वमान्य चेहरा नहीं है जिसके नाम व नेतृत्व में सभी नेता एकजुट होकर चुनाव लड़ सकें। यही भाजपा की सबसे कमजोर कड़ी साबित होगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

दिल-दिमाग में साम्य से शिखर की कामयाबी

रेनू सैनी

हर व्यक्ति में कोई न कोई हुनर अवश्य होता है। अगर उसी हुनर को रोजी-रोटी में बदल दिया जाता तो अपरीमित सफलता प्राप्त होती है। हालांकि हुनर को रोजी-रोटी में बदलते हुए लोग डरते हैं कि कहीं सफल नहीं हुए तो परिवार कैसे चलेगा? 'द काइजेन' पुस्तक के लेखक रॉबर्ट माउरेर का कहना है कि, 'मस्तिष्क को इस तरह बनाया गया है कि कोई भी नई चुनौती, अवसर या इच्छा किसी न किसी तरह के डर को प्रेरित कर देती है।' इसलिए यह डर होना लाजिमी है, लेकिन उस डर से बाहर आने का सामना व्यक्ति तभी कर सकता है, जब वह चुनौतियों से लड़ता है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए चुनौतियों को पार करना ही पड़ता है। चुनौतियां जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हैं। वह व्यक्ति खुशकिस्मत होता है, जिसके जीवन में चुनौतियों का भंडार होता है और वह व्यक्ति सफलता का राजा बन जाता है जो चुनौतियों को सूझबूझ के साथ अवसर में बदल लेता है। गुलशन नंदा से हर गंभीर पाठक परिचित है। बहुत पहले दिल्ली के चांदनी चौक के पास न्यू देहली ऑप्टिकल्स नाम से एक चश्मे की दुकान हुआ करती थी। 1950 के दशक में गुलशन नंदा इसी दुकान में काम करते थे। लेकिन यह नौकरी उनके मन के मुताबिक नहीं थी। उनका मन तो लिखने में रमता था, पर लेखन के भरोसे भला नौकरी कैसे छोड़ देते? यही कशमकश उन्हें आगे बढ़ने से रोके रखती थी। चश्मे की दुकान में काम करने से मिलने वाले रुपयों से परिवार की गुजर-बसर बमुश्किल होती थी, ऐसे में अगर उसे भी छोड़ देते तो उनके परिवार की नैया कैसे पार होती? उनकी जिंदगी में कोई उत्साह नहीं था। बस रोज सुबह दुकान पर आते और शाम ढलते घर चल देते। दिन इसी तरह बीत रहे थे। एक दिन गुलशन नंदा बस में सफर कर रहे थे। उनके साथ एक सहयात्री बैठे थे। बातचीत में सहयात्री और वे अपने मन की व्यथा एक-दूसरे से कह बैठे। गुलशन नंदा की व्यथा सुनकर सहयात्री बोले, 'तुम्हें लिखना शुरू करना चाहिए। दम होगा तो वह छपेगा और उसे पाठकों का प्यार भी मिलेगा। हर काम में चुनौतियों से तो जूझना ही पड़ता है। क्या नौकरी में कम जूझ रहे हो? अगर लेखन में जूझोगे तो कम से कम मन को राहत तो मिलेगी।' सहयात्री की इन बातों ने गुलशन नंदा के लिए संजीवनी का काम किया। इसके बाद उन्होंने लुगदी साहित्य के संसार में दस्तक दे दी। नौकरी छोड़ दी और स्वयं को पूरी तरह लेखन के लिए समर्पित कर दिया। नौकरी छोड़ने के बाद जो हुआ, उससे भला कौन अनभिज्ञ है? गुलशन नंदा के साहित्य के क्षेत्र में दस्तक देने की देर थी कि उन्हें हाथों-हाथ लिया गया। वर्ष 1960 से 1970 के दशक में उन्होंने पॉकेट बुक्स को जिन ऊंचाइयों पर पहुंचाया, उसे कोई दूसरा लेखक छू भी न सका। कहावत की तरह यह बात कही जाती है कि, 'अगर नंदा जी को पहले नम्बर पर रखा जाए तो आगे की नौ जगह खाली दिखाई देना लाजिमी थी। लिहाजा उनके बाद कोई नाम काबिलेजिक्र होगा तो 11वें नम्बर पर होगा।' जब उनके उपन्यासों ने तहलका मचाना शुरू कर दिया तो उन्होंने मुंबई की ओर रुख किया। वहां उन्होंने फिल्मी लेखन में हाथ आजमाया और दो दर्जन से अधिक सफल फिल्मों की कहानियां लिखीं। फिल्मफेयर अवॉर्ड के 'बेस्ट स्टोरी' वर्ग में उनका कई बार नामांकन हुआ। इनमें 'काजल', 'नीलकमल', 'खिलौना', 'कटी पतंग' और 'नया ज़माना' फिल्म प्रमुख हैं। सभी प्रकाशक नंदा जी को छापने के लिए होड़ में लगे थे। लेकिन नंदा साल में केवल एक उपन्यास लिखते थे। ऐसे में उनके ऊपर 'एक अनार सौ बीमार' वाली कहावत चरितार्थ होती थी। जब वे दिल्ली आते थे तो प्रकाशक अटैची में रुपये भरकर उनके पास लाते थे और उनके मना करते-करते भी छोड़ जाते थे। ऐसी थी गुलशन नंदा की सफलता। एक ऐसे व्यक्ति की सफलता जो अगर चुनौतियों का सामना करने का साहस न जुटाते तो शायद सारी जिंदगी एक चश्मे की दुकान पर गुमनामी में बिता देते। अब वह चश्मे की दुकान चांदनी चौक में नहीं है। लेकिन पूरा चांदनी चौक गुलशन नंदा से भली-भांति परिचित है। जब गुलशन नंदा से उनकी आश्चर्यजनक कामयाबी का रहस्य पूछा जाता था तो वे मुस्करा कर अपने मस्तिष्क की ओर इशारा करते हुए कहते थे, 'मैंने अपने हृदय की सुनकर मस्तिष्क का उपयोग किया और सफलता तक पहुंच गया। मैं आज भी अपने उस सहयात्री को नहीं भूला जिसके कारण मेरे मस्तिष्क ने मुझे लेखन की ओर प्रेरित किया।' जॉर्ज ल्यूकास का कहना है कि, 'ईश्वर ने हमें एक मस्तिष्क दिया है और यह हमें बचाने वाली एकमात्र चीज़ है। सभी जीवों के पास कोई न कोई लाभ, चालाकी, पंजे, छल, ज़हर, गति या कोई न कोई चीज़ होती है, जिससे उन्हें बचे रहने में मदद मिलती है। हमारे पास सिर्फ मस्तिष्क है। इसलिए अपने मस्तिष्क का इस्तेमाल करना हमारा कर्तव्य है।'

कर्नाटक का विधानसभा चुनाव देश और दुनिया में चर्चा का विषय बना

(लेखक-सनत कुमार जैन)

कर्नाटक विधानसभा का चुनाव अभियान चरम पर पहुंच गया है। ऐसी चर्चा देश के अलावा अब विदेशों में भी हो रही है। विशेष रुप से राहुल गांधी की बगलकोट जिले की रैली ने सारे देश और दुनिया का ध्यान कर्नाटक की ओर मोड़ दिया है। बगलकोट जिले में 7 विधानसभा क्षेत्र हैं। इसमें अभी 5 विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। यह भाजपा के प्रभाव का क्षेत्र है। राहुल गांधी की रैली में जो अपार भीड़ उमड़ी। उसको देखकर सारे राजनीतिक समीकरण बदलते हुए नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने गृह लक्ष्मी योजना के तहत 2000 रुपये प्रति महिलाओं को, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, बेरोजगार युवाओं को भत्ता तथा 10 किलो अनाज मुफ्त में देने की घोषणा की है। इसका असर सारे कर्नाटक में पड़ा है। राहुल गांधी की इस समय सबसे असहाय व्यक्ति के रूप में कर्नाटक में पहचान बनी हैं। यहां पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और गांधी परिवार का बड़ा प्रभाव रहा है। राहुल गांधी को 2 साल की सजा, उनकी संसद सदस्य की सदस्यता समाप्त होने तथा उनका बंगला खाली करा लिए जाने से सहानुभूति की लहर कर्नाटक में दिख रही है। यहां की जनता गांधी परिवार को आदर की दृष्टि से देखती है। इसका असर चुनाव प्रचार के दौरान देखने में मिलने लगा है। अभी राहुल गांधी कर्नाटक में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। प्रियंका गांधी भी चुनाव प्रचार करने के लिए पहुंच रही हैं।

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी अपने ही नेताओं से लड़ रही है। भाजपा के अंदर जो भगदड़ मची हुई है। उसे रोकने का प्रयास करना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा को चुनाव जिताने के लिए कम, भगदड़ रोकने मैं ज्यादा मेहनत करना पड़ रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें चेतावनी दे दी है कि भाजपा छोड़कर कांग्रेस में गए नेता किसी भी कीमत में जीतना नहीं चाहिए। भाजपा के कार्यकर्ता बगावती नेताओं का कोई काम ना करें। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, कि भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा और बीएल संतोष के कहने पर 68 विधानसभा की टिकट लिंगायतों को दी है। उसके बाद भी कर्नाटक का चुनाव उठ नहीं पा रहा है। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में भाजपा को भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं से ही लड़ना पड़ रहा है। राहुल गांधी को लेकर जो उत्साह आम जनता में देखने को मिल रहा है। उससे दिल्ली दरबार भी हतप्रभ है। जेडीएस और देवगोडा परिवार को भाजपा ने कांग्रेस की बी टीम के रुप में प्रचारित करने और देवगोड़ा परिवार के सदस्यों पर भ्रष्टाचार और जमीन कब्जाने के आरोप लगाए हैं। ईडी देवगोड़ा परिवार की जांच कर रही है। जेडीएस यदि कमजोर होती है। तो इसका लाभ भाजपा को ना मिलकर कांग्रेस के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है। लिंगायत और वोक्कालिंगा समाज का समर्थन कांग्रेस को मिल रहा है। भाजपा के लिए जो सर्वे एजेंसियां काम कर रही हैं। उन्होंने भी कर्नाटक में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलने की पुष्टि की है।

अमूल और नंदिनी विवाद को लेकर भी सारे कर्नाटक में मतदाताओं के बीच तीव्र प्रतिक्रिया हुई है गुजराती और कन्नड़ अस्मिता का धुर्वीकरण कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में देखने को मिल रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा रहा है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टार प्रचारक के रूप में एक या दो रैली ही संबोधित करेंगे। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का ठीकरा पराजय के बाद पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा और बीएस संतोष पर फोड़ने की तैयारी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि और लोकप्रियता को बचाए रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे घटाने की अटकलें शुरू हो गई हैं। कर्नाटक में चुनाव हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी आंध्रा, तेलंगाना और केरल में रैली कर रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में यदि भारतीय जनता पार्टी पराजित होती है। ऐसी स्थिति में भाजपा के असंतुष्टों के बीच जिस तरह की बगावत कर्नाटक में हुई है। वैसी ही बगावत अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के पूर्व देखने को मिल सकती है। इसको लेकर भाजपा नेतृत्व अभी से सर्तक हो गया है।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12द्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें बढ़ी हैं जबकि चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। बाजार में ये उछाल बुलियन मार्केट में डॉलर की कीमतों में गिरावट से आई है। इससे घरेलू बाजार में सोने की कीमतें ऊपर आयी है। एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में उछाल आया है ओर ये करीब 90 रुपए बढ़कर 60090 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जबकि चांदी की कीमतों में कमी आई है। वहीं एमसीएक्स पर चांदी की कीमतों में 90 रुपए की गिरावट दर्ज की गयी है और ये 74900 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहीं हैं। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में ये बदलाव अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आये बदलावों से आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2000 डॉलर के ऊपर पहुंच गया है। डॉलर इंडेक्स में नरमी से भी सोने की कीमतों को समर्थन मिल रहा है। यही कारण है कि कॉमैक्स पर सोना 10 डॉलर बढ़कर 2000 डॉलर प्रति ऑन्स के ऊपर पहुंच गया। वहीं, चांदी की कीमतें भी गिरावट के साथ ही 25.26 डॉलर प्रति ऑन्स पर कारोबार कर रही थीं अब सबके नजरें यूएस फेड की बैठक पर टिकीं हैं।

वेलस्पन वन तमिलनाडु में दो वेयरहाउस परियोजना विकसित करेगी

700 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

मुंबई । एकीकृत कोष और विकास प्रबंधन मंच वेलस्पन वन लॉजिस्टिक्स पार्क्स (डब्ल्यूओएलपी) जीआरटी समूह के साथ संयुक्त उपक्रम में तमिलनाडु में 700 करोड़ रुपये के निवेश से दो वेयरहाउस परियोजनाएं विकसित करेगा। कंपनी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इस बाबत डब्ल्यूओएलपी ने पिछले वर्ष नवंबर में तमिलनाडु सरकार के साथ शुरुआती समझौता किया था। इस करार के तहत यह मंच पांच वर्ष के दौरान राज्य में करीब 2,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। कंपनी ने बताया कि प्रत्येक पार्क 60 एकड़ भूमि में फैला होगा और इसमें 13 लाख वर्गफुट क्षेत्र विकसित किया जा सकता है। कंपनी ने बताया कि 'ए' श्रेणी की पहली वेयरहाउस परियोजना जीआरटी समूह और डब्ल्यूओएलपी के बीच 50-50 के अनुपात में संयुक्त उपक्रम में विकसित की जा रही है। डब्ल्यूओएलपी ने कहा कि इन परियोजनाओं में कुल 700 करोड़ रुपये का निवेश होगा और विकास चरणों के दौरान 3,000 रोजगार का सृजन होगा।

अरामको के मानव संसाधन प्रबंधन में इन्फोसिस करेगी प्रौद्योगिकी मदद

नई दिल्ली (ईएमएस)। सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं देने वाली कंपनी इन्फोसिस ने ऊर्जा एवं रसायन क्षेत्र की वैश्विक कंपनियों में से एक अरामको के साथ मानव संसाधन क्षेत्र में सहयोग को लेकर एक समझौता किया है। इन्फोसिस ने कहा कि अरामको के मानव संसाधन प्रबंधन में प्रौद्योगिकी समर्थन देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इससे अरामको को अवसरों के अनुकूल कर्मचारियों की तलाश में मदद मिलेगी। इन्फोसिस ने कहा कि अरामको के साथ मिलकर वह मानव संसाधन से जुड़े आंकड़े और विश्लेषण में नई अंतर्दृष्टि लाने के लिए काम करेगी। इस समझौते के तहत कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान का भी इस्तेमाल किया जाएगा। बयान के मुताबिक एआई-समर्थित विश्लेषण से अरामको को एल्गोरिद्म की मदद से निर्णय लेने में मदद पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल बजाज फाइनैंस , बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल और एसबीआई के शेयरों में भारी खरीददारी से आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार से आज कमजोर संकेत मिले। इसके बाद भी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में खरीददारी से बाजार में तेजी बनी रही। आज कारोबार के दौरान बाजार लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 74.61 अंक करीब 0.12 फीसदी बढ़कर 60,130.71 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स 60,101.64 के उच्च स्तर पर जाने के बाद 59,967.02 तक गिरा। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 25.85 अंक करीब 0.15 फीसदी ऊपर आने के बाद अंत में 17,769.25 अंक पर आकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,807.45 की उंचाई तक जाने के बाद 17,716.85 तक गिरा। कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। बजाज फाइनैंस के शेयर सबसे अधिक करीब 2.38 फीसदी तक बढ़े। इसके अलावा फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल और एसबीआई के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर 13 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक

1.47 फीसदी तक गिरें जबकि एचडीएफसी, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और एक्सिस बैंक के शेयरों को भी नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार में हल्की बढ़त रही। प्री-ओपनिंग में बाजार में बढ़त देखने को मिली। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ साठ हजार के ऊपर निकल गया था।

देश में इस साल 90 प्रतिशत कर्मियों को वेतन बढ़ने की उम्मीदः रिपोर्ट

मुंबई । देश में इस साल 90 प्रतिशत कर्मियों को अपने वेतन में बढ़ोतरी की उम्मीद है। हाल ही में जारी की गई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में 90 प्रतिशत कर्मचारियों ने इस साल वेतनवृद्धि की उम्मीद जताई है। इस सर्वे में शामिल लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारी चार-छह प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं 19 प्रतिशत कर्मी 10-12 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत में 78 प्रतिशत कर्मियों की पिछले वर्ष औसतन चार-छह प्रतिशत वेतन वृद्धि हुई थी। यह रिपोर्ट 17 देशों के 32,000 कर्मियों के सर्वे पर आधारित है। इनमें भारत के 2,000 कर्मी शामिल हैं।

एलआईसी का प्रीमियम संग्रह बीते वित्त वर्ष में बढ़कर 2.32 लाख करोड़

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी) का पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में कुल प्रीमियम 17 प्रतिशत बढ़कर 2.32 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2021-22 में एलआईसी का कुल प्रीमियम संग्रह 1.99 लाख करोड़ रुपए रहा था। बीमा प्रीमियम के संग्रह के मामले में एलआईसी मार्च 2023 के आ खिर में 62.58 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ देश की अव्वल बीमा कंपनी रही। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष के अंतिम महीने मार्च में निजी बीमा कंपनियों के प्रीमियम संग्रह में भी खासा उछाल दर्ज किया गया है। सूचीबद्ध बीमा कंपनियों में से एलआईसी की समाप्त वित्त वर्ष में प्रीमियम वृद्धि दर एचडीएफसी लाइफ (18.83 प्रतिशत) के बाद दूसरे स्थान पर रही। एसबीआई लाइफ और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस की प्रीमियम वृद्धि दर क्रमशः 16.22 प्रतिशत और 12.55 प्रतिशत रही। मार्च, 2023 में एलआईसी का व्यक्तिगत खंड में प्रीमियम संग्रह 10,000 करोड़ रुपए से अधिक रहा जो सभी जीवन बीमा कंपनियों में सर्वाधिक है।

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

जल्द लांच होगी जियो एयर फाइबर सेवा, ज्यादा लोगों तक पहुंचेगा इंटरनेट

- यूजर्स को केबल के बिना हाई-स्पीड इंटरनेट मिलेगा

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनी जियो जल्द ही एक नई सेवा पेश करने वाली है। टेलीकॉम ऑपरेटर की नई सेवा की मदद से ज्यादा लोगों तक इंटरनेट की पहुंच होगी। कंपनी एयर फाइबर सेवा देने की तैयारी में है, जो कुछ महीनों में लॉन्च हो सकती है। इसकी मदद से जियो की कनेक्टेड होम स्ट्रैटजी को बूस्ट मिलेगा। एयर फाइबर वो सेवा है, जिसमें यूजर्स को ट्रेडिशनल वायर (केबल) के बिना हाई-स्पीड इंटरनेट मिलेगा। ये सेवा एलन मस्क की स्टारे लिंक की तरह ही है। रिलायंस इंडस्ट्री के प्रेसिडेंट किरण थॉमस ने बताया कि जियो एयर फाइबर सेवा आने वाले कुछ महीनों में लॉन्च हो जाएगी। इसकी मदद से कनेक्टेड होम स्ट्रेटजी में तेजी आएगी। कंपनी इस सेवा को तब लॉन्च करने की तैयारी में है, जब ज्यादातर लोगों तक 5जी सर्विस पहुंच जाएगी। कंपनी ने पिछले साल दशहरा के मौके पर अपनी 5जी सर्विस लॉन्च की थी। अब तक जियो ने कई शहरों में अपनी 5जी सर्विस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी इस साल के आखिर तक देश भर में अपनी 5जी सर्विस का विस्तार करेगी। वहीं फाइबर सर्विसेस जियो फाइबर और जियो एयर फाइबर की मदद से 10 करोड़ घरों तक अगले दो से तीन साल में पहुंचने की प्लानिंग कर रही है। थॉमस ने बताया कि एयर फाइबर सर्विस की वजह से होम ब्रॉडबैंड बेस बढ़ेगा, क्योंकि उन्हें 5G नेटवर्क का एडवांटेज मिलेगा। रिपोर्ट्स की मानें तो कुछ एरिया में कंपनी इस सर्विस का पायलट प्रोजेक्ट भी चला रही है। इन एरिया में रेडियो फ्रेक्वेंसी प्लानिंग, इंस्टॉलेशन प्रॉसेस और सर्विस स्टेबिलिटी पर कंपनी काम कर रही है। इसका मतलब है कि कंपनी जल्द ही अपनी एयर फाइबर सर्विस को लॉन्च कर सकती है।

सोयाबीन तेल-तिलहन, पामोलीन और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट रही

- सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए

नई दिल्ली ।

देश में आयातित सस्ते खाने के तेलों की भरमार से सोमवार को स्थानीय मंडियों में तेल-तिलहनों में गिरावट का रुख रहा और सोयाबीन तेल-तिलहन, पामोलीन और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट रही। दूसरी ओर भाव ऊंचा बोले जाने मगर लिवाल नहीं होने की स्थिति के कारण सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि दिल्ली की नजफगढ़ मंडी में किसानों ने तीन दिन से सरसों रखा था, लेकिन यह बिका नहीं था, क्योंकि दाम कम बोले जा रहे थे। इन फसलों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी कम लगाये जाने से वे अपनी फसल बेच नहीं रहे थे। उनकी फसल खुले में पड़ी हुई थी। दाम में कोई सुधार नहीं होता देख किसान वापस अपनी ट्रॉलियों में सरसों की लदान करने लगे तब आढ़तियों ने दाम में मामूली लगभग 100 रुपए की वृद्धि करते हुए इस आवक को लगभग 4,800 रुपए क्विंटल के भाव खरीदा। उल्लेखनीय है कि सरसों का न्यूनमत समर्थन मूल्य 5,450 रुपए क्विंटल है। तेल-तिलहनों के भाव सोमवार को इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,000-5,100 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,805-6,865 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,710 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,540-2,805 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,600 और 9,700 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,570-1,640 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,570-1,680 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,600 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,300 रुपए प्रति

क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला-8,950 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,850 रुपए प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,150 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी दिल्ली 10,150 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स कांडला 9,200 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,285-5,335 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,035-5,125 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

कच्चा तेल महंगा, यूपी में पेट्रोल और डीजल सस्ता

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को तेजी दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.25 डॉलर बढ़कर 79.01 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.25 डॉलर की बढ़त के साथ 82.98 पर कारोबार कर रहा है। हिमाचल में पेट्रोल 29 पैसे, पंजाब में 24 पैसे और जम्मू-कश्मीर में 62 पैसे महंगा हुआ है। इन जगहों पर डीजल क्रमशः 26 पैसे, 23 पैसे और 50 पैसे महंगा हुआ है। वहीं उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल 25 पैसे सस्ता हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 पैसे और डीजल 41 पैसे सस्ता हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

आरबीआई ने चार बैंको पर लगाया 44 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों के उल्लंघन के कारण 4 सहकारी बैंकों पर 44 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। जिन बैंकों पर जुर्माना लगाया गया है वे हैं तमिलनाडु स्टेट एपेक्स को-ऑपरेटिव बैंक, बॉम्बे मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक, जनता सहकारी बैंक और बारां नागरिक सहकारी बैंक. इनमें से सबसे अधिक 16 लाख रुपए का जुर्माना चेन्नई स्थित तमिलनाडु स्टेट एपेक्स को-ऑपरेटिव बैंक पर लगा है। आरबीआई ने कहा कि बॉम्बे मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक पर 13 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बकौल आरबीआई, बैंक निर्धारित समय के भीतर जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष (डीईएएफ) में तय पैसों को ट्रांसफर करने में विफल रहा और उसे देरी से स्थानांतरित किया। बैंक ने कहा कि पुणे स्थित जनता सहकारी बैंक पर जमा पर ब्याज दर के निर्देशों का पालन नहीं करने को लेकर 13 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही बैंक निर्धारित समयसीमा के भीतर धोखाधड़ी की सूचना नाबार्ड को देने में भी विफल रहा और देरी से इसकी सूचना दी। वहीं राजस्थान के बारां स्थित बारां नागरिक सहकारी बैंक पर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने कहा है कि इन बैंकों पर मानदंडों की अनदेखी के लिए जुर्माना लगाया है। हालांकि इसका इन बैंकों के ग्राहकों द्वारा किए जा रहे लेनदेन पर कोई असर नहीं होगा।

हुंडई ने लांच की ज्यादा सुरक्षित 3 कारें

-मारुती सुजुकी को टक्कर देने के लिए नया मास्टर स्ट्रोक

नई दिल्ली ।

हुंडई मोटर्स ने भारत में अपनी सबसे बड़े कॉम्पीटीटर मारुती सुजुकी को टक्कर देने के लिए नया मास्टर स्ट्रोक डिसीजन लिया है। कंपनी ने अपनी पॉपुलर एसयूवी क्रेटा और वेन्यू और प्रीमियम हैचबैक आई20 का ज्यादा सुरक्षित वर्जन लॉन्च कर दिए हैं। कंपनी ने तीनों गाड़ियों के सभी मॉडलों में थ्री पॉइंट सीट बेल्ट जैसा सेफ्टी फीचर्स जोड़ा है। अन्य मॉडलों को हाल ही में अपडेट इंजन के साथ लॉन्च किया गया महत्वपूर्ण सेफ्टी फीचर्स जोड़ दिया है।

हुंडई ने इस महीने की शुरुआत में अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल क्रेटा और वेन्यू को अपडेट इंजन के साथ लॉन्च किया था, जिससे नए बीएस6 फेज-2 उत्सर्जन नियमों और आरडीई मानदंडों के अनुकूल बनाया जा सके। थ्री पॉइंट सीट बेल्ट की शुरुआत के अलावा क्रेटा, वेन्यू और द्व20 में अब एडजस्टेबल रियर हेडरेस्ट भी दिए जाएंगे। आई20 के एस्टा ट्रिम में सिर्फ दो वेरिएंट इस फीचर के साथ आएंगे। अन्य हुंडई मॉडल जैसे ऑरा सबकॉम्पैक्ट सेडान और ग्रैंड आई10 नियोज हैचबैक में भी यही फीचर पेश किया गया है। क्रेटा और वेन्यू एसयूवी में अब टू-स्टेप रिक्लाइनिंग रियर सीटें मिलेंगी। इस साल की शुरुआत में हुंडई ने क्रेटा, वेन्यू और अल्काजार एसयूवी को नए सेफ्टी फीचर्स के साथ लॉन्च किया था। इन विशेषताओं में छह एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल-असिस्ट स्टार्ट कंट्रोल, रियर डिस्क ब्रेक, हाइट एडजेस्टेबल सीट बेल्ट, आइसोफिक्स माउंट और आइडल स्टॉप एंड गो शामिल हैं।भारत में कोरियाई कार निर्माता हुंडई का सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल क्रेटा को 2 इंजन विकल्पों के साथ पेश किया गया है। इसमें एक 1.5-लीटर 4-सिलेंडर इंजन और एक ज्यादा पावरफुल 1.4-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन है। दोनों इंजन या तो छह-स्पीड मैनुअल या छह-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जुड़े हैं। हुंडई क्रेटा 10.84 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है और 19.13 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

माइक्रॉन टेक्नोलॉजी को जल्द मिलेगी मंजूरी

मुंबई ।

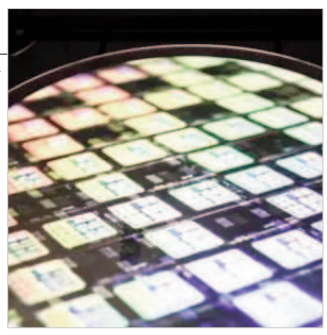

देश में करीब एक अरब डॉलर के निवेश से असेंबली, परीक्षण, मार्किंग एवं पैकेजिंग (एटीएमपी) प्लांट स्थापित करने के माइक्रॉन टेक्नोलॉजी के प्रस्ताव को जल्द ही सरकार की हरी झंडी मिल सकती है। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनी माइक्रॉन दुनिया भर में बने अपने वेफर्स की प्रोसेसिंग इसी प्लांट में करेगी और उसके बाद तैयार उत्पाद ग्राहकों को भेजे जाएंगे। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने कहा कि हम प्रस्ताव को मंजूरी देने के करीब हैं।

उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की कि प्रस्ताव के तहत करीब 1 अरब डॉलर के निवेश की योजना है। गौरतलब है कि करीब 30.8 अरब डॉलर कारोबार वाली अमेरिकी कंपनी माइक्रॉन मेमरी एवं स्टोरेज तकनीक के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनियों में शामिल है। अमेरिका, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, ताइवान और चीन जैसे देशों में उसके 11 विनिर्माण प्लांट हैं। कंपनी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग प्लांट स्थापित करने के लिए पिछले एक साल से जगह तलाश रही थी। सरकार की 10 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर योजना के तहत देश में फैब प्लांट, एटीएमपी, आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली ऐंड टेस्ट एवं चिप डिजाइन संयंत्र स्थापित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाना है। सरकार ने एटीएमपी अथवा ओएसएटी प्लांट स्थापित करने के लिए पात्र कंपनियों को पूंजीगत व्यय पर 50 फीसदी मदद अपने खजाने से देने की पेशकश भी की है। इस क्षेत्र ने टाटा जैसे बड़े कारोबारी समूहों को आकर्षित किया है। इसमें दिलचस्पी दिखाने वाली अन्य कंपनियों में एचसीएल, सिरमा टेक्नोलॉजी, स्पेल सेमीकंडक्टर और वैलेनकनी इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

केकेआर पर जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

अहमदाबाद (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर जीत के इरादे से उतरेगी। आरसीबी ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के हराया था। ऐसे में वह बढ़े हुए मनोबल के साथ इस मैच में उतरेगी। आरसीबी को इसके साथ ही घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। वहीं विरोधी टीम केकेआर को पिछले चार मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम पर मानसिक दबाव रहेगा जिससे उबरकर उसे मैदान में उतरना होगा। केकेआर का प्रयास किसी भी प्रकार इस मैच में आरसीबी को हराकर प्लेऑफ के िए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। केकेआर अभी तक सात मैचों में से केवल दो ही जीत पायी है और सातवें नंबर पर है। ऐसे में एक और हार उसपर भारी पड़ेगी।

केकेआर की टीम इस सत्र में अबतक अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पायी है। उसे जो जीत मिली हैं उसमें भी एक दो बल्लेबाजों की ही अहम भूमिका रही है। टीम को पिछले मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में उसके कप्तान नितीश राणा सहित प्रमुख बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर, और एन जगदीशन भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

टीम अभी तक स्थायी सलामी जोड़ी तक नहीं तलाश पायी है। उसने अभी तक सुनील नारायण, जगदीशन, लिटन दास, जेसन रॉय और रहमानुल्लाह गुरबाज को सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा पर कोई भी उसे अच्छी शुरुआत नहीं दे पाया। पिछले मैच में जेसन रॉय और रिंकू सिंह ने अर्धशतक लगाये पर इन दोनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाया। आंद्रे रसेल भी फिनिशर की अपनी भूमिका में अब तक असफल रहे हैं।

टीम के खिलाड़ियों की फिटनेस भी सही नहीं रही। इसी कारण उसके गेंदबाज अभी तक एक बार भी अपने कोटे के चारों ओवर नहीं कर पाए हैं। केकेआर ने इस सत्र की शुरुआत में आरसीबी पर बड़ी जीत दर्ज की थी। उसी प्रदर्शन को अब टीम दोहराना चाहेगी। दूसरी ओर आरसीबी अपने घरेलू मैदान पर जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। की

आरसीबी की टीम अभी तक सात में से चार मैच जीतकर पांचवें स्थान पर है। उसके कुछ खिलाड़ियों ने अभी तक इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। डुप्लेसी अभी अच्छे फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने विराट कोहली तथा ग्लेन मैक्सवेल के साथ अच्छी साझेदारियां की हैं।

आरसीबी का कमजोर पक्ष से है कि अब तक उसके लिए कुछ ही खिलाड़ियों ने रन बनाये हैं जिससे वह जीत रही है। वहीं अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। अब उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों से इस मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। मध्यक्रम में दिनेश कार्तिक, महिपाल लोमरोर, शाहबाज अहमद और सुयश प्रभुदेसाई अब तक अपेक्षा के अनुसार रन नहीं बना पाये हैं। उसके बल्लेबाजों को केकेआर के स्पिनरों वरुण चक्रवर्ती, सुयश शर्मा और सुनील नरेन से सावधान रहना होगा।

वहीं गेंदबाजों की बात करें तो मोहम्मद सिराज अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने आईपीएल के वर्तमान क्षेत्र में अभी तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं। सिराज का वायने पर्नेल और हर्षल पटेल ने अच्छा साथ दिया है। वहीं श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा के जुड़ने से टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होगा।

संभावित प्लेइंग 11

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : विराट कोहली (कप्तान), फाफ डु प्लेसिस , महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, शाहबाज़ अहमद, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सुयश प्रभुदेसाई, डेविड विली, वानिंदु हसरंगा, मोहम्मद सिराज, विजयकुमार वैशाक, हर्षल पटेल।

कोलकाता नाइट राइडर्स : नितीश राणा (कप्तान), एन जगदीसन (विकेटकीपर), जेसन रॉय, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, डेविड विसे, शार्दुल ठाकुर, सुयश शर्मा, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती।

बजरंग पूनिया का आरोप, पहलवानों को शिकायत वापस लेने पैसे की पेशकश हो रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया ने आरोप लगाया है कि पहलवानों को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से जुड़े कुछ लोगों ने पैसे का लालच दिया है। जिससे वे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जारी धरने से हट जायें। बजरंग सहित कई पहलवान अभी बृजभूषण के खिलाफ धरने पर बैठे हैं। बजरंग ने यह भी आरोप लगाया कि यौन शोषण का शिकार हुई एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों को पुलिस बृजभूषण के खिलाफ शिकायत वापस लेने के लिए मजबूर कर रही है। बजरंग ने कहा कि डब्ल्यूएफआई के कुछ लोगों ने शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उन्हें पैसे की पेशकश भी की है।

पुनिया ने कहा, मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ पर जिन लड़कियों ने शिकायत की है उन पर दबाव डाला जा रहा है। कुश्ती महासंघ के अधिकारी उनके घर जाकर पैसे का लालच दे रहे हैं। अगर उन लड़कियों के साथ कुछ होता है, तो पुलिस और सरकार जिम्मेदार होगी। मुझे नहीं पता कि नामों का खुलासा कैसे हुआ।

वहीं इससे इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज न किए जाने का आरोप लगाने वाली पहलवानों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक इस मामले में अपना जवाब देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ये गंभीर आरोप' हैं जिन पर विचार करने की जरुरत है। वहीं पहलवानों ने आरोपों की जांच करने वाली समिति के परिणामों को सार्वजनिक करने की मांग भी की है।

बेंगलुरु दौड़ की अंतरराष्ट्रीय दूत होगी सान्या रिचर्ड्स रॉस

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व ओलंपिक और 400 मीटर में विश्व चैंपियन सान्या रिचर्ड्स रॉस को 21 मई को यहां होने वाली विश्व 10 किमी बेंगलुरु दौड़ का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा दूत नियुक्त किया गया है। अमेरिका की एथलीट सान्या रिचर्ड्स रॉस विश्व एथलेटिक्स की नामी खिलाड़ियों में शामिल है। वह ओलंपिक में लगातार तीन बार चार गुणा 400 मीटर रिले दौड़ जीतने वाली दुनिया की एकमात्र महिला एथलीट हैं। जमैका में जन्मी सान्या रिचर्ड्स रॉस ने ओलंपिक तथा विश्व चैंपियनशिप में कुल मिलाकर 14 पदक जीते हैं।

इसके अलावा विश्व रिले में उनके नाम पर तीन स्वर्ण पदक दर्ज है। उन्होंने डायमंड और गोल्डन लीग में भी कई पदक जीते हैं। सान्या रिचर्ड्स रॉस ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,'' मैं टीसीएस विश्व 10 किमी बेंगलुरु का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। भारत में इस तरह की दौड़ तेजी से विकास कर रही है और मैं 2018 में देश के पिछले दौरे के दौरान दिल्ली में इसकी गवाह रह चुकी हूं।

तो अब अर्जुन तेंदुलकर फेकेंगे 140किलोमीटर की स्पीड से गेंद, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने दिया सचिन के बेटे को सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम के गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर ने इसी सीजन में अपना आईपीएल डेब्यू किया है। पहले ही सीजन में उन्होंने काफी शर्मनाक प्रदर्शन करते हुए एक ही ओवर में 31 रन लुटाए जिसके बाद उन्हें चौरफा आलोचना का शिकार होना पड़ा था। इस मुकाबले में अर्जुन तेंदुलकर ने काफी खराब परफॉर्म किया था।

इस तरह खराब प्रदर्शन करने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के दिग्गज खिलाड़ी ब्रेट ली ने भी अर्जुन तेंदुलकर को खास हिदायत दी है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ब्रेट ली ने अर्जुन के समर्थन में आकर उन्हें अपना प्रदर्शन बेहतर करने के तरीके को लेकर खास टिप्स दिए है। ब्रेट ली ने हाल ही में कहा कि मैं अर्जुन तेंदुलकर के खेल से काफी प्रभावित हूं। मुंबई इंडियंस के लिए अर्जुन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वो नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करता है। उसमें गेंद को स्विंग करने की क्षमता भी है।

उन्होंने कहा कि अर्जुन तेंदुलकर गेम को एंजॉय करते हुए डेथ ओवर में शानदार खेल दिखाता है। ऐसे में उसकी तारीफ करना जरुरी है। ब्रेट ली ने लोगों द्वारा की जा रही टिप्पणियों को लेकर कहा कि लोगों का काम आलोचना करना है। आलोचना हर मैच में हर कदम पर होगी। अर्जुन के लिए जरुरी है कि वो आलोचकों की बातों को नजरअंदाज करें। उन्होंने कहा कि अर्जुन तेंदुलकर की उम्र अभी सिर्फ 23 वर्ष है।

ऐसे में अपने लंबे करियर को ध्यान में रखते हुए उन्हें आलोचनाओं पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उनके पिता के साथ भी करियर के शुरुआती दौर में यही सब हुआ था। अगर अर्जुन टीम में घुलेंगे तो वो जल्द ही 140 किलोमीटर की रफ्तार से भी गेंद फेंकने में सक्षम होंगे। उनकी स्पीड के साथ किसी तरह की परेशानी नजर नहीं आती है। ऐसे में अर्जुन को सिर्फ अपने गोल पर फोकस रखना चाहिए। बता दें कि अर्जुन तेंदुलकर ने इसी वर्ष 16 अप्रैल को अपना आईपीएल डेब्यू किया है। उन्होंने अपना पहला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेला था। अबतक वो तीन मुकाबले खेल चुके है जिनमें उन्होंने दो विकेट झटके है। उनका इकॉनमी रेट 10.6 का रहा है।

लारा ने हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद के कोच ब्रायन लारा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के लिए टीम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया है। लारा ने कहा कि बल्लेबाज छोटे लक्ष्य का पीछा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों ने कमजोर गेंदों पर भी बड़े शॉट नहीं खेल पाये ओर आक्रामक रुप अपनाने में उन्होंने काफी देर कर दी थी। उन्होंने कहा कि अपने रक्षात्मक रुख का सनराइजर्स के बल्लेबाजों को नुकसान उठाना पड़ा है। लारा ने कहा, 'पिच में किसी तरह की कमी नहीं थी और हमें पूरी पारी के दौरान तेजी दिखानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, 'हमने सब कुछ अंतिम ओवरों के लिए छोड़ दिया जिसका नुकसान उठाना पड़ा। अगर हमारे बल्लेबाज पावर प्ले का पूरा फायदा उठाते तो परिणाम कुछ और होता। इससे विरोधी टीम बीच के ओवरों में हावी हो गयी। उन्होंनें कहा कि टीम पावर प्ले में 36 रन ही बना पायी। लारा ने कहा, 'पहले 15 ओवर काफी अहम होते हैं और उसमें हमें काफी अच्छी स्थिति में होना चाहिए था। सनराइजर्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अब हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लारा ने कहा, 'हमें अब आगे के बारे में सोचना होगा और जल्द ही एक ईकाई के तौर पर प्रदर्शन करना होगा। अब हमारे लिए राह कठिन है, इसलिए हमें और हमें अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा।

शोएब ने सानिया से तलाक की खबरों को निराधार बताया

लाहौर । पिछले काफी समय से भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तान के क्रिकेटर शोएब मलिक के तलाक की अटकलें लगायी जा रहीं थीं पर अब शोएब ने इन खबरों को आधारहीन बताया है। शोएब ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण ही वे दोनो पिछले काफी समय से अलग-अलग रह रहे हैं। एक टीवी चैनल पर ईद के विशेष शो में मलिक ने कहा कि वह और उनकी पत्नी सानिया किसी भी तलाक की प्रक्रिया से नहीं गुजर रहे और न ही वे अलग हुए थे। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी और बेटा ईद पर बाहर हैं। काश मैं अपनी पत्नी और बेटे के साथ ईद मना पाता। इस क्रिकेटर ने माना कि सभी शादियां उतार-चढ़ाव से गुजरती हैं पर इसका मतलब यह नहीं है कि रिश्ता समाप्त हो गया। मलिक ने बताया कि दोनों को कुछ समय के लिए एक साथ इसलिए नहीं देखा गया, क्योंकि पिछले कुछ समय से दोनों का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। उन्होंने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण उन दोनो के लिए एक साथ समय बिताना कठिन हो गया है पर कहा कि उनके अलग होने और मतभेदों की खबरें गलत हैं। वहीं दूसरी ओर सानिया ने इस मामले में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारतीय टीम का ऐलान

रहाणे की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले के लिए भारतीय टीम में वापसी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के ओवल स्टेडियम में सात जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के खिताबी मुकाबले के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। रोहित शर्मा की कप्तान वाली इस टीम में बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे की वापसी हुई है। रहाणे को आईपीएल में शानदार प्रदर्शन का ईनाम मिला है और लंबे समय के बाद उन्हें टीम में जगह मिली है। रहाणे ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। रहाणे ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए मुंबई और कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ तेज अर्धशतक लगाये।

रहाणे ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से करीब डेढ़ साल पहले जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उसके बाद खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें पहले उपकप्तानी और उसके बाद टीम से ही बाहर कर दिया गया था। पिछले कुछ समय में रहाणे ने घरेलू क्रिकेट और उसके बाद आईपीएल में अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में वापसी की दावेदारी पेश की थी।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-1 से हराते हुए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनायी है।

टीम इस प्रकार है: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएल राहुल, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मो. शमी, मो. सिराज, उमेश यादव और जयदेव उनादकत।

छक्के मारने में डु प्लेसिस , चौके में वार्नर सबसे आगे

मुम्बई ।आईपीएल के इस 16 वें सत्र में अब तक कई नये रिकार्ड बने हैं। इस बार सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों में पहले स्थान पर आरसीबी के फॉफ डु प्लेसिस हैं। डु प्लेसिस ने अभी तक खेले 7 मैचों में 25 छक्के लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर आरसीबी के ही ग्लेन मैक्सवेल हैं। उनके नाम 23 छक्के हैं। सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों में चौथे नंबर पर चेन्नई सुपरकिंग्स के रितुराज गायकवाड़ हैं। उनके नाम 17 छक्के हैं। लखनऊ सुपर जायंटस के काकाइ मायर्स 16 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं। इसके अलावा सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर पहले स्थान पर हैं। वार्नर के नाम 42 चौके हैं। वहीं दूसरे स्थान पर सीएकके के कप्तान डु प्लेसिस के नाम 33 चौके हैं। वहीं सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में तीसरे नंबर पर सीएसके के डेवोन कॉन्वे के नाम 32 चौके हैं। राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल के नाम भी 32 ओर पंजाब के शिखर धवन के नाम 29 चौके हैं।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप : राउंड 11 : नेपोमनिशी 6-5 से हुए आगे , विश्व खिताब से 1.5 अंक दूर

अस्ताना, कज़ाकिस्तान । विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2023 के ग्यारवें राउंड में बढ़त पर चल रहे रूस के यान नेपोमनिशी नें सफ़ेद मोहरो से संतुलित खेल दिखाते हुए अपने प्रतिद्वंदी चीन के डिंग लीरेन को वापसी का फिर से कोई मौका नहीं दिया और मैच बिना किसी जीत हार के बेनतीजा रहा , इस परिणाम के बाद नेपोमनिशी अब 14 राउंड की विश्व चैंपियनशिप में 6-5 से आगे चल रहे है और अब उन्हे विश्व खिताब हासिल करने के लिए 1.5 अंको की और आवश्यकता है वहीं डिंग के लिए लगातार जीत ही उन्हे विश्व खिताब दिला सकती है ।बचे हुए तीन राउंड में डिंग के पास दो बार सफ़ेद मोहरे तो एक बार काले मोहरे होंगे ।ग्यारहवें राउंड में नेपो नें राय लोपेज ओपनिंग का क्लोस वेरिएशन खेलते हुए और खेल की आठवीं चाल में हाथी के सामने का प्यादा एक घर चलकर 3 साल पहले डिंग के खिलाफ जीती गयी बाजी को दोहराने की कोशिश की जिसे डिंग नें चाल बदलकर जबाब दिया और लगातार मोहरो की अदला बदली की बीच बाजी 39 चालों के बाद ड्रॉ रही ।अब एक दिन के विश्राम के बाद अगले दो राउंड खेले जाएँगे।

पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने टी20 में मचाया धमाल, हासिल किया खास मुकाम मगर टीम को नहीं दिला सके जीत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने अपने खेल के दम पर फिर से खुद को साबित किया है कि वो दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों की सूची में शामिल होने के पूरे काबिल है। रिजवान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवे टी20 मुकाबले में खेल कर साबित किया है कि वो शानदार खिलाड़ी है। इस मुकाबले में उनके बल्ले से बेहतरीन अर्धशतक निकला है।

इस मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज ने दमदार खेल दिखाया मगर टीम को जीत नहीं दिला सके। इसके साथ ही उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर शानदार रिकॉर्ड भी हासिल किया है। बता दें कि रिजवान विकेटकीपर के तौर पर टी20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए है। उन्होंने इंग्लैंड के जोस बटलर को पछाड़ कर ये उपलब्धि हासिल की है।

बता दें कि ये मुकाबला रावलपिंडी में खेला गया था जहां पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए 193 रन बनाए। ओपनिंग करने आए विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने 62 गेंद में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 98 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि वो अपने टी20 करियर का दूसरा शतक से दो रन से चूक गए।

बराबर पर खत्म हुई सीरीज

मार्क चैपमैन के करियर के पहले शतक की मदद से न्यूजीलैंड ने पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 के बराबर की। न्यूजीलैंड के सामने 194 रन का लक्ष्य था लेकिन 10वें ओवर तक उसका स्कोर चार विकेट पर 73 रन था। चैपमैन ने यहीं से जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने 57 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए तथा जेम्स नीशम (25 गेंदों पर नाबाद 45) के साथ पांचवें विकेट के लिए नौ ओवर में 121 रन की अटूट साझेदारी की।

इससे न्यूजीलैंड ने 19.2 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर पांच विकेट पर 193 रन बनाए थे। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने 62 गेंदों पर नाबाद 98 रन बनाए जिसमें सात चौके और चार छक्के शामिल हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज के अलावा इफ्तिखार अहमद ने 36 और इमाद वसीम ने 31 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए ब्लेयर टिकनर ने 33 रन देकर तीन विकेट लिये।

न्यूजीलैंड के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसके प्रमुख खिलाड़ी भारत में इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं। उसने पाकिस्तान के खिलाफ खेल के सबसे छोटे प्रारूप में दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य भी हासिल किया। न्यूजीलैंड की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह 100वीं जीत है। दोनों टीमों के बीच अब पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी जिसका पहला मैच गुरुवार को रावलपिंडी में होगा।

पिंडली की चोट के कारण टेनिस टूर्नामेंट से हटी ओंस जाबूर

मैड्रिड। गत चैम्पियन ओंस जाबूर बायीं पिंडली में चोट के कारण मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हट गई है जिससे उनकी फ्रेंच ओपन की तैयारियों को करारा झटका लगा है। ट्यूनीशिया की विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी जाबूर ने जर्मनी के स्टुटगार्ट में चल रहे क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में तब मैच से हटने का फैसला किया जब वह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक के खिलाफ पहलेसेट में 0-3 से पीछे चल रही थी। जाबूर ने इसके बाद ट्विटर पर पोस्ट किया कि उनकी पिंडली चोटिल हो गई है और उन्हें कई तरह की जांच करानी पड़ेगी। उन्होंने कहा,'' मुझे इस चोट से उबरने के लिए समय चाहिए। मुझे यह घोषणा करते हुए दुख हो रहा है कि मैं मैड्रिड में नहीं खेल पाऊंगी।'' जाबूर पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओपन में उपविजेता रही थी। उन्हें पिछले साल फ्रेंच ओपन में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह पहले दौर में हारकर बाहर हो गई थी। फ्रेंच ओपन 28 मई से पेरिस में शुरू होगा।

सूरत पुलिस ने जाली नोट के मुख्य सूत्रधार सूर्या सेल्वाराज को चेन्नई से गिरफ्तार किया

सूरत।

सूरत के अमरोली से 5.80 लाख की जाली नोटों के मामले में एसओजी ने मुख्य सूत्रधार सूर्या सेल्वाराज को चेन्नई से गिरफ्तार कर लिया है। सूर्या सेल्वाराज के पास से पुलिस ने 1। लाख की जाली नोट भी जब्त किए हैं। इस मामले में पुलिस अब तक 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। सूरत के अमरोली में गत 14 अप्रैल को रु. 500 के दर के रु. 5.।9 लाख की जाली नोट के साथ सूरत के छापराभाठा क्षेत्र में रहनेवाले शांतिलाल भंवरलाल मेवाडा और खटोदरा निवासी विष्णु मिस्त्रीलाल मेवाडा को गिरफ्तार किया था। शांतिलाल और विष्णु ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने जाली नोट कर्नाटक के बेंगलुरू में रहनेवाले माइकल फर्नान्डीस से खरीदी थी। जिसके आधार पर पुलिस ने बेंगलुरू से माइकल फर्नान्डीस को भी गिरफ्तार कर लिया। साथ ही माइकल के पास से रु. 4.98 लाख के जाली नोट भी जब्त कर लिए। तीनों आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है जाली नोट का मास्टर माइन्ड चेन्नई में रहता है और वहीं से पूरे देश में इसका नेटवर्क चलाता है। इस खुलासे के बाद सूरत पुलिस ने चेन्नई के ईश्वरियानगर क्षेत्र के गोविंद स्वामी स्ट्रीट की पहली मंझिल पर रेड कर निद्राधीन सूर्या सेल्वाराज को दबोच लिया। सूर्या सेल्वाराज के घर की तलाशी में सूरत पुलिस चौंक उठी। सूर्या ने अपने ही घर को जाली नोट छापने की फैक्ट्री बना रखी थी। सूर्या के घर से जाली नोट बनाने के उपयोग में लिए जाने वाले 23 हजार से ज्यादा स्टाम्प पेपर, तीन कलर प्रिन्टर, कटर मशीन, लेमिनेशन और हिटिंग मशीन, वॉटर मार्कर, सिक्युरिट थ्रेड, चाइना के कागज समेत सामान जब्त कर लिया। साथ ही पुलिस ने सूर्या के घर से रु. 1। लाख की जाली नोट भी बरामद की। जांच में खुलासा हुआ कि सूर्या ने अगस्त 2022 में जाली नोट छापना शुरू किया और केवल सात महीने के भीतर देश के कई राज्यों में अपना नेटवर्क फैला दिया। सूर्या सेल्वाराज अब तक महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार और तेलंगाना में कुल रु. 2.12 करोड़ के जाली नोट सप्लाय कर चुका है। बेंगलुरू के माइकल फर्नान्डीस को रु. ।9 लाख के जाली नोट दिए थे और उसके बदले में असली रु. 15 लाख की रकम ली थी। पुलिस की पूछताछ में सेल्वा ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सेल्वा ने बताया कि वर्ष 2016-1। में शेयर बाजार में उसे भारी नुकसान हुआ था। जिसके बाद कम समय में ज्यादा रुपए कमाने की लालच में उसने जाली नोट छापने का फैसला किया। आरोपी ने थ्री-डी एनिमेशन का कोर्ष किया है, जिससे उसने सबसे पहले इंटरनेट के माध्यम से जाली नोट बनाने की जानकारी जुटाई।

पीएसयू व लिस्टेड कंपनियों के लिए डिविडेंड वितरण व बोनस शेयर के मिनिमम लेवल की पॉलिसी घोषित

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली गुजरात सरकार ने राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों (पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग-पीएसयू) के मूल्यांकन में वृद्धि के साथ शेयर होल्डर्स को भी लाभ कराने वाली एक महत्वपूर्ण पॉलिसी घोषित की है। राज्य सरकार ने लिस्टेड कंपनियों तथा राज्य के पीएसयू के लिए शेयर होल्डर्स को डिविडेंड डिस्ट्रीब्यूशन एवं बोनस शेयर इश्यू करने के लिए इस नई पॉलिसी की घोषणा की है। राज्य सरकार के वित्त विभाग द्वारा इस संदर्भ में गत 24 अप्रैल को जारी किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि कर पश्चात मुनाफ़े (प्रॉफ़िट आफ़्टर टैक्स) का न्यूनतम 30 प्रतिशत अथवा नेटवर्थ का 5 प्रतिशत;दोनों में से जो अधिक हो, वह शेयर होल्डर्स के लिए घोषित किए गए डिविडेंड का मिनिमम लेवल होना चाहिए। सरकारी प्रस्ताव में यह उल्लेख किया गया है कि यह केवल मिनिमम लेवल है और डिविडेंड का मैक्सिमम परमिशिबल लेवल घोषित करना चाहिए।

कम से कम 2000 करोड़ रुपए नेटवर्थ और कम से कम 1000 करोड़ रुपए कैश व बैंक बैलेंस वाले प्रत्येक स्टेट पीएसयू को इस नई पॉलिसी के अंतर्गत अपने शेयर्स बायबैक करने के विकल्प का उपयोग करने का भी निर्देश दिया गया है। इस नई पॉलिसी में यह भी सुझाया गया है कि जिस स्टेट पीएसयू के पास पेडअप इक्विटी शेयर कैपिटल की लगभग 10 गुना राशि या उससे अधिक निर्धारित रिज़र्व और सरप्लस है, उसके लिए शेयर होल्डर्स को बोनस शेयर इश्यू करना आवश्यक है। तदुपरांत, नई पॉलिसी के अनुसार जब स्टेट पीएसयू के शेयर्स की मार्केट प्राइस (बाज़ार क़ीमत) अथवा उसकी बुक वैल्यू उसके मूल्य से 50 गुना से अधिक बढ़ जाए, तब राज्य सरकार ने ऐसे शेयर का विभाजन अनिवार्य किया है, परंतु ऐसे मामले में शेयर की वर्तमान फ़ेस वैल्यू 1 रुपए से अधिक होनी चाहिए। अपेक्षा रखी गई है कि शेयर होल्डर्स के लिए अनिवार्य डिविडेंड और बोनस शेयर के लिए घोषित की गई इस नई पॉलिसी से गुजरात राज्य के पीएसयू के मूल्यांकन में वृद्धि होगी।

एल.पी.सवानी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स,सूरत में संगीत कार्यक्रम SIFAR-6 का आयोजन किया गया

सूरत।

एल.पी.सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा 25-04-2023 को एल.पी.सवानी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, डी.विला, भाठा, सूरत में संगीत कार्यक्रम सिफर-6 का आयोजन किया गया।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत एल.पी. सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ-साथ गायन-संगीत की कला का विकास करना साथ ही पढ़ाई के दौरान यादगार यादें बनाना था। हर क्षेत्र में स्वावलंबी बनते हैं छात्र, छात्रों में हमेशा पैदा होती है नवजात मनोवृत्ति, टी. वी. मीडिया में टैलेंट शो के लिए एक मंच होना चाहिए। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ संगीत शिक्षक व विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने संगीत की धुन पर नई व पुरानी पीढ़ी के गीत प्रस्तुत किए। दर्शकों ने सभी की तालियां बजाकर सराहना की, स्कूल के प्रत्येक कर्मचारी ने इस कार्यक्रम के लिए बहुत मेहनत की और छात्रों की आंतरिक कलात्मक शक्ति को पोषित करने का एक सुंदर और सफल प्रयास किया।

स्कूल के आदरणीय अध्यक्ष श्री मवजीभाई सवानी, स्कूल के उपाध्यक्ष श्री धर्मेंद्रभाई सवानी, अन्य ट्रस्टी, साथ ही श्री डॉ. दीपक आर. दारजी (जिला शिक्षा अधिकारी, सूरत शहर) श्री धर्मेशभाई मिस्त्री (एसएमसी) के साथ उपायुक्त) इस अवसर पर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए उपस्थित रहे।कला जगत की अन्य हस्तियों की उपस्थिति से कार्यक्रम को बड़े उत्साह के साथ सफल बनाया गया।

अब किफायती दाम में नए अति आधुनिक फीचर वाला हियरिंग मशीन बाजार में उपलब्ध

सूरत भूमि, सूरत।

बहेरापन एक बड़ी समस्या है। इस बीमारी से लाखों लोग ग्रस्त हैं। ऐसे में हियरिंग मशीन का उपयोग कर लोग इस समस्या से निजात पाने का प्रयास करते हैं। बाजार में कई तरह की है रिंग मशीनें उपलब्ध हैं लेकिन फीचर्स उपयोग को सीमित कर देते हैं। लेकिन बहरापन से पीड़ित व्यक्तियों का जीवन और भी आसान बनाने के लिए अब बाजार में Re-Hear के नाम से नए और आधुनिक फीचर्स के साथ नई हियरिंग मशीन उपलब्ध है। यह मशीन सिर्फ व्यक्ति की सुनने की क्षमता को ही नहीं बढ़ती बल्कि फोन से कनेक्ट कर इससे व्यक्ति फोन कॉलिंग के दौरान बातचीत भी कर सकता है और गाने भी सुन सकता है। यह मशीन सभी के बजट में हो ऐसे कीमत में फोन कनेक्टिविटी तथा रिचार्जेबल और सिर्फ फोन ऐप से प्रोग्राम की जा सके ऐसी है और इस मशीन को लेकर आई है गुजरात की कंपनी जो सभी के लिए गौरवपूर्ण बात है।

Re-Hear को लॉन्च करने वाले चेतन पटेल और जल्पेश पटेल सॉफ्टोन के डायरेक्टर ने बताया कि भारत में कुल आबादी में से 6 फ़ीसदी लोग बहरेपन की बीमारी से पीड़ित हैं।यह सरकार की रिपोर्ट है। इन व्यक्तियों को सुनने के लिए हर 5 साल में नया हियरिंग मशीन लेना पड़ता है और ऑडियोलॉजिस्ट का संपर्क करना पड़ता है। फिलहाल बाजार में विभिन्न कंपनियों की हियरिंग मशीनें उपलब्ध हैं जो व्यक्ति की सुनने की क्षमता को बढ़ाती हैं।

लेकिन इन मशीनों के उपयोग में कुछ मर्यादा आए हैं जैसे की मशीन की बैटरी कभी भी खत्म हो जाती है, व्यक्ति मशीन लगी हो तो फोन पर बात नहीं कर सकता और सबसे बड़ी बात यह है कि बाजार में अनुपयोगी हियरिंग मशीनें भी मिलती हैं जो एमप्लीफायर्स है यानी आवाज को दुगनी गति कर देती हैं,ऐसे में व्यक्ति को आवाज के साथ आसपास की भी आवाजें जैसे बाहर वाहनों के हॉर्न और साउंड सिस्टम से निकलने वाली आवाज भी दुगनी होकर सुनाई देती है। इस कारण व्यक्ति की श्रवण शक्ति को नुकसान पहुंचता है।

जबकि हमारी हियरिंग मशीन इस समस्या से निजात दिलाने वाली है। पर Re-Hear हियरिंग मशीन से सामान्य तरीके से ही सब कुछ सुनाई देगा क्योंकि इसमें इस तरह के नए फीचर शामिल किए गए हैं जो भारी आवाज को भी ह्यूमन वॉइस में बदल देती है।

वही Re-Hear की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अन्य हियरिंग मशीनों में प्रोग्राम फिट करने के लिए कंप्यूटर की जरूरत पड़ती है जिससे हियरिंग लॉस के समय बार-बार ऑडियोलॉजिस्ट के पास दौड़कर जाना पड़ता है जबकि हमारी हियरिंग मशीन सीधे किसी भी मोबाइल फोन में इंस्टॉल की जा सकती है जिससे व्यक्ति को कहीं से भी मोबाइल फोन के जरिए प्रोग्रामिंग करने की सुविधा मिलती है।

एल.पी. सवाणी के वाईस चेयरमैन धर्मेंद्र सवाणी ने एवरेस्ट बेस कैंप को सफलतापूर्वक पूरा किया

सूरत भूमि, सूरत। डायमंड और टेक्सटाइल सिटी के नाम से मशहूर सूरत शहर के लोग अब एडवेंचर में भी आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में एल. पी. सवाणी स्कूल के वाईस चेयरमैन धर्मेंद्र भाई सवाणी और उनके साथ जयेशभाई पटेल, राजेशभाई मोर्दिया, शैलेश सवानी, श्रेयांश शाह, स्मितल शाह और जाह्नवी गोहिल ने अति कठिन और चुनौतीपूर्ण एवरेस्ट बेस कैंप को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उनके इस साहस ने फिर एक बार सूरत और गुजरात को गौरवान्वित किया है।

धर्मेंद्रभाई सवाणी ने अपनी साहसिक यात्रा के बारे में बताया कि जब उन्होंने जीवन में साहसिक कार्य करने का फैसला किया था। इस बीच एवरेस्ट बेस कैंप के बारे में पता चला और इस इसे सफलतापूर्वक पूरा करने के दृढ़ संकल्प के साथ यात्रा शुरू की। मेरे साथ सूरत से अन्य पांच साथी और एक अहमदाबाद तथा एक ट्रैकर पुणे का था। हम सब काठमांडू से सड़क मार्ग से रामाचिप पहुंचे। यहां से लुकला के लिए फ्लाइट थी और दूरी महज पंद्रह मिनट की थी, लेकिन खराब मौसम की वजह से फ्लाइट उड़ान भर नहीं सकती थी, ऐसे में घंटों के इंतजार के बाद आखिरकार हम उड़ान भर पाए। पंद्रह मिनट में लुकला पहुंचने के बाद यहां से हमारी ट्रेकिंग यात्रा बेस कैंप के शुरू होनी थी। पहले से ही अंदाजा था कि कई सफर में कई तरह की चुनौतियां आएंगी। अंत में हम सभी ने ट्रेकिंग शुरू की और दुर्गम पहाड़ी रास्तों पर चलते रहे। रोजाना दस से 12 घंटे की ट्रेकिंग में मुश्किल से 10 से 12 किमी की दूरी तय कर पाते थे। इतनी दूरी तय करने के बाद रात का ठहराव और सुबह फिर से लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना। इस तरह हम 5364 मीटर की दूरी तय कर एवरेस्ट बेस कैंप पहुंचे और जीवन का एक बड़ा साहसिक कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। अपने अनुभव के बारे में धर्मेंद्रभाई सवाणी ने बताया कि उन्हें लगता था कि वे दौड़कर इस दूरी को पूरा कर लेंगे, लेकिन थोड़ा चलने के साथ ही सांसें फूलने लगती। ऊंची पहाड़ियों पर चढ़ते- चढ़ते ठंड में भी पसीना छूट जाता। इसके बावजूद हिम्मत हारे बिना हमने सिर्फ हमारे लक्ष्य को पूरा नहीं किया, बल्कि उससे भी आगे कालापत्थर तक 5550 मीटर का ट्रेक पूरा किया। धर्मेंद्र भाई आगे कहते है कि इस यात्रा का अनुभव मेरे और मेरे साथियों के लिए जीवन का साहसिक और अविस्मरणीय अनुभव था और रहेगा।

"रनिंग टू गैदर, ग्रोइंग टू गैदर" के लक्ष्य के साथ आयोजित मैराथन में दो हजार से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा

सूरत भूमि, सूरत।

व्यवसाय विकास के लिए प्लेटफार्म मुहैया कराने वाले प्रोग्रेस एलायंस की ओर से "रनिंग टू गैदर, ग्रोइंग टू गैदर" के नारे के साथ पीए मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। वेसू में आयोजित मैराथन दौड़ में प्रोफेशनल धावकों के साथ ही शहर की विभिन्न संस्थाओं और लोगों को मिलाकर दो हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

आयोजन को लेकर प्रोग्रेस एलायंस के प्रवक्ता ने बताया कि पीए मैराथन रन के सफल आयोजन के साथ प्रोग्रेस एलायंस ने एक और बेंचमार्क स्थापित किया गया है। "रनिंग टू गैदर, ग्रोइंग टू गैदर - पीए मैराथन" का आयोजन लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और जीवन में अनुशासन लाने के साथ ही प्रोग्रेस एलायंस से जुड़े व्यवसायियों के व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से किया गया था। इस दौड़ में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैराथन में हिस्सा ले चुके 300 से अधिक धावकों ने भाग लिया। इसके अलावा स्वास्थ्य के लिए काम करने वाली विभिन्न संस्थाएं और डॉक्टर भी दौड़ में शामिल हुए। यह सभी के लिए एक खास अनुभव था। खासकर पीए सदस्यों की सकारात्मकता और प्रेरणा सभी के लिए प्रेरणादायी थी।

हायर ने कस्टमर्स को इमर्सिव एक्सपीरियंस प्रदान करने के लिए, क्यूएलईडी सेगमेंट में गूगल टीवी को किया लॉन्च

नई दिल्ली । हायर एप्लायंसेज इंडिया (हायर इंडिया), जो कि होम एप्लायंसेज में एक ग्लोबल लीडर होने के साथ साथ लगातार 14 वर्षों से मेजर एप्लायंसेज में दुनिया का नंबर 1 ब्रांड है, ने आज गूगल टीवी के साथ क्यूएलईडी सीरीज की अपनी नई रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। हायर ने अत्याधुनिक टेक्नोलॉजिकल फीचर्स और इंडस्ट्री की बेस्ट पिक्चर क्वालिटी के साथ इस क्यूएलईडी टीवी सेगमेंट में प्रवेश किया है, जो इसे इनोवेशन, डिजाइन और स्मार्ट टेक्नोलॉजिकल दक्षताओं का एक सही मिश्रण बनाता है।

लॉन्च के इस मौके पर हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेसिडेंट श्री सतीश एनएस ने कहा, "हम अपने इस नई क्यूएलईडी टीवी सीरीज़ के लॉन्च से बेहद उत्साहित हैं जो कि हमारे कंज्यूमर्स को टेलीविज़न देखने का एक नया और शानदार एक्सपीरियंस प्रदान करेगी। यह लॉन्च हायर की ब्रांड फिलॉसफी 'इंस्पायर्ड लिविंग' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक और शानदार उदाहरण है। इस नए हायर क्यूएलईडी टीवी को इसके लेटेस्ट फीचर्स और स्टाइलिश बेज़ेल-लेस डिज़ाइन के माध्यम से यूजर्स के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिहाज़ से डिज़ाइन किया गया है। आज सभी भारतीय कंज्यूमर्स स्मार्ट हैं और अपने जीवन में जोड़ने के लिए नए स्मार्ट प्रोडक्ट्स की तलाश में रहते हैं। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखते हुए हमने क्यूएलईडी टीवी एस9क्यूटी सीरीज की यह नई रेंज लॉन्च की है, ताकि हमारे तमाम कंज्यूमर्स को मनोरंजन का एक शानदार क्सपीरियंस मिल सके।"

गूगल टीवी के साथ हायर क्यूएलईडी सीरीज

हायर का यह गूगल टीवी गूगल असिस्टेंस, हैंड्स-फ्री वॉयस कंट्रोल, बिल्ट इन क्रोमकास्ट, गूगल प्ले स्टोर और गूगल यूआई पैकेज के साथ आता है। यह गूगल टीवी ऑटो लो लेटेंसी मोड (एएलएलएम) जैसे प्रीमियम फीचर्स प्रदान करता है, जो कि गेम कंसोल को डिस्प्ले पर सिग्नल भेजने में सक्षम बनाता है जिससे यह ऑटोमेटिकली गेमिंग के लिए लो-लेटेंसी, लो-लैग मोड तथा एचडीएमआई 2.1 पर स्विच हो जाएगा। इसके साथ ही हमारा फोकस यह सुनिश्चित करने पर है कि यूजर्स होम स्क्रीन से सीधे अपनी सर्वाधिक देखी गई और रेकमेंडेड कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें। इसके अलावा अन्य किसी भी स्ट्रीमिंग डिवाइस प्लेटफॉर्म की तरह, इस गूगल टीवी टीवी में नेटफ्लिक्स, ज़ी5, प्राइम वीडियो तथा और भी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स मौजूद हैं।

सफाई के दौरान नौवीं मंझिल से गिरकर महिला की मौत, जांच में जुटी पुलिस

सूरत।

शहर क पार्ले पोइंट क्षेत्र में एक महिला की नौवीं मंझिल से गिरकर उस समय मौत हो गई जब वह अपने घर में सफाई कर रही थी। उमरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है जानकारी के मुताबिक सूरत के पार्ले पोइंट क्षेत्र के सिटी क्राउन एपार्टमेंट के नौवीं मंझिल निवासी 36 वर्षीय अदिती पल्लवभाई चोखावाला बीती शाम करीब । बजे अपने घर में सफाई कर रही थी। उस वक्त अचानक नौवीं मंझिल से सीधे जमीन पर जा गिरी। इस घटना में अदिती गंभीर रूप से घायल हो गई। एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अदिती को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पल्लव चोखावाला ने बताया कि अदिती घर की सफाई के दौरान नौवीं मंझिल से नीचे गिर गई थी और इसकी जानकारी बेटी ने मोबाइल पर दी थी। जिसके बाद वह तुरंत घर पहुंचे और अदिती को अस्पताल ले गए। यार्न व्यवसाय से जुड़े पल्लव चोखावाला के संतान में एक बेटी है। उमरा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इथोस लिमिटेड ने सूरत में अपना पहला बुटीक लॉन्च किया

नई दिल्ली। इथोस लिमिटेड ने सोलारिस द एड्रेस पिपलोद डुमास रोड, सूरत में अपना पहला बुटीक लॉन्च किया है। सूरत में यह मल्टी ब्रांड बुटीक अनुमानित 3658 वर्ग फुट में फैला हुआ है। इस बुटीक में ग्राहक दुनिया भर के कई जाने-माने वॉच ब्रांड्स की लक्ज़री घड़ियां पा सकते हैं। सूरत कई नवोदित घड़ी उत्साही और संग्रहकर्ताओं के साथ एक तेजी से बढ़ता हुआ शहर है। इस बारे में इथोस लिमिटेड के सीईओ श्री प्रणव साबू ने कहा, हमें खुशी है कि अब स्टोर के अनुभव में एथोस का आनंद लिया जा सकता है। इतना ही नहीं, कोई व्यक्ति हमारे लक्ज़री वॉच ब्रांड्स की विस्तृत श्रृंखला के बारे में भी व्यक्तिगत रूप से जान सकता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)